mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-05 अंक-324 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
25 नवंबर 2025 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

मार्को जैनसेन ने रचा...
@ पेज 7

नहीं रहे बॉलीवुड के 'ही-मैन'

धर्मेंद्र ने 89 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कहा

मुंबई, एजेंसी। हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र ने 89 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया। वह पिछले काफी समय से बीमार चल रहे थे। सोमवार 24 नवंबर की सुबह उन्होंने जुहू स्थति अपने घर में अंतिम सांस ली। अभिनेता का अंतिम संस्कार विले पार्ले स्थति पवन हंस श्मशान भूमि में किया गया। सलमान खान, शाहरुख खान, अक्षय कुमार और अमिताभ बच्चन समेत कई बॉलीवुड हस्तियों ने श्मशान घाट पहुंच कर अभिनेता को श्रद्धांजलि दी। धर्मेंद्र का जन्म लुधियाना में 8 दिसंबर 1935 को हुआ था। उनका पूरा नाम धर्मेंद्र केवल कृष्ण देओल था। उन्होंने 1960 में हिन्दी फिल्मों में पदार्पण किया। बलराज साहनी और कुमकुम इस फिल्म में उनके सह-कलाकार थे। उनकी पहली फिल्म थी, 'दिल भी तेरा हम भी तेरे।' अर्जुन हिंगोरानी की फिल्म में उन्हें 'धर्मेंद्र' के नाम से प्रस्तुत किया गया और यही उनका फिल्मी नाम बन गया। धर्मेंद्र की पहली चर्चित फिल्म बिमल रॉय की बन्दिनी थी जिसमें उनके साथ सुपरस्टार अभिनेत्री नूतन थीं।

दोस्त 'वीरू' को खोने के गम में नजर आए - बॉलीवुड से एक दुखद खबर सामने आई है। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का आज (24 नवंबर) 89 साल की उम्र में निधन हो गया। कुछ दिनों पहले उन्हें सांस लेने में दिक्कत होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बता दें कि, हीमैन का अंतिम संस्कार विले पार्ले पवन हंस श्मशान घाट में हुआ। अपने को-एक्टर और करीबी दोस्त धर्मेंद्र के निधन के बाद अमिताभ बच्चन बेटे अभिषेक बच्चन के साथ हीमैन के अंतिम संस्कार में पहुंचे। बिग बी की एक तस्वीर सामने आई हैं जिनमें उनके चेहरे पर दोस्त को खोने का गम साफ-साफ दिख रहा है और वह भावुक नजर आए।

भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी क्षति है: राष्ट्रपति - वरिष्ठ अभिनेता और पूर्व सांसद धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी क्षति है। वे देश के सबसे लोकप्रिय अभिनेताओं में से एक थे और उन्होंने अपने लंबे फिल्मी करियर में कई यादगार किरदार निभाए। भारतीय सिनेमा की दुनिया में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

वह एक प्रतिष्ठित फिल्म हस्ती थे, एक अद्भुत अभिनेता- धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग के अंत का प्रतीक है। वह एक प्रतिष्ठित फिल्म हस्ती थे, एक अद्भुत अभिनेता, जिन्होंने हर किरदार में गहराई और आकर्षण भरा। विभिन्न भूमिकाओं को निभाने का उनका अंदाज अनगिनत लोगों के दिलों को छू जाता था। धर्मेंद्र जी को उनकी सादगी, विनम्रता और गर्मजोशी के लिए भी उतना ही सराहा जाता था। इस दु:ख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, मित्रों और असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति।

अमेरिका का वीजा नहीं मिला तो सुसाइड किया

महिला डॉक्टर ने सुसाइड नोट में लिखा- तनाव में हूं

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद में रहने वाली महिला डॉ. रोहिणी (38) ने अमेरिका का वीजा नहीं मिलने पर सुसाइड कर लिया। उसकी लाश फ्लैट से बरामद हुई। पुलिस को सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें वीजा नहीं मिलने के कारण डिप्रेशन होने और इसी वजह से सुसाइड करने की बात लिखी हुई है।

चिलकलगुडा थाना पुलिस ने बताया कि घटना 21 नवंबर की रात की है। रोहिणी ने या तो नींद की गोलियां की ओवरडोज की थी या किसी तरह का इंजेक्शन लिया था। मौत की असली वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगी। मामले की जांच दूसरे एंगल से भी की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि रोहिणी आंध्र प्रदेश के गुंटूर की रहने वाली थी। हैदराबाद में पदमा नगर में फ्लैट लेकर रहती थी। 22 नवंबर की सुबह रोहिणी की मेड फ्लैट पर पहुंची थी। उसने दरवाजा खटखटाया, लेकिन रोहिणी ने दरवाजा नहीं खोला।

दिल्ली में गलत रनवे पर उतरा अफगानिस्तान का प्लेन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा टल गया। यहां अफगानिस्तान का एक विमान उड़ान भरने वाले रनवे पर उतर गया। गनीमत रही कि इस रनवे पर कोई दूसरा विमान नहीं था। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। घटना रविवार दोपहर 12:06 बजे की है, लेकिन सोमवार सुबह मीडिया में आई। अफगानिस्तान की एरियाना एयरलाइंस की यह फ्लाइट FG 311 काबूल से आ रहा था। सूत्रों के मुताबिक, विमान को रनवे 29 Left (29L) पर लैंडिंग की अनुमति दी गई थी, लेकिन पायलट ने गलती से इसे रनवे 29 Right (29R) पर उतार दिया। यह रनवे आमतौर पर टेकऑफ के लिए इस्तेमाल होता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, उस समय रनवे 29R पर कोई विमान टेकऑफ के लिए मौजूद नहीं था, वरना गंभीर हादसा हो सकता था। एविएशन अथॉरिटीज ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उनका कहना है कि अफगानिस्तान के एविएशन अधिकारियों को इस गंभीर गलती को लेकर रिपोर्ट भेजी जाएगी। दिल्ली एयरपोर्ट के अधिकारियों ने विमान के गलत रनवे पर उतरने की घटना को मिरेकल एस्केप बताया है।

आज मोदी रामलला की धर्मध्वजा फहराएंगे

राम मंदिर कोएटीएस-एनएसजी कमांडोज ने घेरा, हेलिकॉप्टर से निगरानी, 1000 क्विंटल फूलों से सजाया

अयोध्या,एजेंसी। अयोध्या में राम मंदिर पर धर्मध्वज फहराने की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। शहर को 1000 क्विंटल फूलों से सजाया जा रहा है। मंदिर पर फहराई जाने वाली धर्मध्वज जन्मभूमि पहुंच चुकी है। कल यानी मंगलवार को पीएम मोदी मंदिर के 191 फीट ऊंचे शिखर पर पहली बार ध्वज फहराएंगे।

राम जन्मभूमि और आसपास की सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है। हेलिकॉप्टर से निगरानी की जा रही है। ATS-NSG कमांडो ने मंदिर को घेर रखा है। इसके अलावा, SPG, CRPF और PAC के जवान भी तैनात हैं। 5 लेयर में मंदिर की सुरक्षा है।

सीएम योगी आज समारोह की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचेंगे। संघ प्रमुख मोहन भागवत भी आज पहुंच जाएंगे। समारोह में उन 100 दानदाताओं को आमंत्रित किया गया है, जिन्होंने राम मंदिर निर्माण में 2 करोड़ से ज्यादा दान दिया था। हालांकि, शंकराचार्यों को नहीं बुलाया गया है। ट्रस्ट ने अपील की है कि 25 नवंबर को आम श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए न आएं। 23 नवंबर की रात 11 बजे से अयोध्या की तरफ लोडर गाड़ियां जैसे- ट्रक, ट्रैक्टर रोक दी गई हैं। यह 26 नवंबर की आधी रात तक रहेगी।

नगर निगम की टीम मंदिर के आसपास एरिया से स्ट्रीट डॉग और छुट्टा जानवरों को पकड़कर दूसरी जगहों पर भेज रही है। आज सुबह 20 स्ट्रीट डॉग पकड़े गए।

आमंत्रण न मिलने से पुरोहित नाराज, बोले- ट्रस्ट अपनी पसंद वालों को बुला रहा

अयोध्या के पुरोहित समाज ने कार्यक्रम का खुलकर बहिष्कार करते हुए पीएम मोदी के स्वागत से इनकार कर दिया है। तीर्थ पुरोहित धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट और तीर्थ पुरोहित समाज सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारियों राजेश महाराज, दुर्गेश महाराज, ओमप्रकाश महाराज और प्रदीप महाराज ने कहा कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और जिला प्रशासन उन्हें लगातार बड़े कार्यक्रमों से दूर रख रहा है, जबकि वे सदियों से मंदिर परंपराओं और धार्मिक विधियों का नेतृत्व करते आए हैं। ट्रस्ट सार्वजनिक रूप से कह रहा है कि सभी समाजों को बुलाया गया है।

तमिलनाडु में 2 बसों की आमने-सामने टक्कर, 6 की मौत, 28 यात्री घायल

- **पुलिस बोली- ड्राइवर की गलती से हादसा, ओवरस्पीड में चला रहा था**

तेनकासी, एजेंसी। तमिलनाडु के तेनकासी जिले में सोमवार को दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। जबकि 28 घायल हो गए हैं। मरने वालों में 5 महिलाएं और एक पुरुष शामिल है। मदुरै से सेनकोट्टई जा रही बस और तेनकासी से कोविलपट्टी जा रही बस टकराने से हादसा हुआ।

पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि गलती ड्राइवर की थी। मदुरै से सेनकोट्टई जा रही बस का ड्राइवर लापरवाही और तेज स्पीड में गाड़ी चला रहा था।

घायल यात्रियों का नजदीकी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। कुछ पीड़ितों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। बस में फंसे यात्रियों को निकालने के लिए जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में इलाज के लिए 25 से ज्यादा एम्बुलेंस बुलाई गई।

पाकिस्तानी सेना पर दो सुसाइड अटैक

हेडक्वार्टर में घुसे हमलावर, 3 कमांडो को मारा

जवाबी एक्शन में 3 हमलावर मारे गए, टीटीपी पर आरोप

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार सुबह फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी (FC) मुख्यालय पर हुए दो आत्मघाती हमले में 6 लोग मारे गए, जिनमें 3 कमांडो और 3 हमलावर शामिल हैं। कई लोग घायल भी हुए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक हमलावरों ने गोलियों और आत्मघाती हमलों के जरिए इस दफ्तर को निशाना बनाया, जिसके बाद बड़े स्तर पर सिक्योरिटी ऑपरेशन चलाया। हमला सुबह करीब 8 बजे शुरू हुआ।

पुलिस ने बताया कि पैरामिलिट्री इमारत के मुख्य गेट पर दो धमाके हुए। इसके तुरंत बाद हथियारबंद हमलावर अंदर घुस गए और सुरक्षा कर्मियों से उनकी मुठभेड़ हुई। FC कमांडो और पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में कैंपस के अंदर तीन हमलावरों को मार गिराया।

पहले हमले का फायदा उठाकर कैंपस में घुसा दूसरा हमलावर

सूत्रों ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि हमले में कम से कम दो आत्मघाती हमलावर शामिल थे। पुलिस के मुताबिक तीन FC जवान मुख्य गेट पर हुए धमाके में मारे गए, जबकि हमलावर अंदर हुई गोलीबारी में ढेर हुए। पेशावर के कैपिटल सिटी पुलिस ऑफिसर डॉ. मियां सईद ने बताया कि पूरे इलाके को सील कर दिया गया है और यह तय करने के लिए तलाशी अभियान चल रहा है कि कहीं कोई और खतरा बाकी न हो। एक सीनियर अधिकारी ने रॉयटर्स से कहा कि पहले हमलावर ने मेन गेट पर हमला किया, जिसका फायदा उठाकर दूसरा हमलावर कैंपस के अंदर घुसने में कामयाब रहा। फिलहाल सेना और पुलिस ने पूरे इलाके की नाकेबंदी कर रखी है। उन्हें शक है कि मुख्यालय के अंदर अभी भी कुछ आतंकवादी छिपे हो सकते हैं।

पाकिस्तान ने हमले के लिए TTP को जिम्मेदार बताया :पाकिस्तान फौज ने आरोप लगाया है कि इस हमले के पीछे भारतीय प्रॉक्सी फितना-उल-खवारिज जिम्मेदार है। यह शब्द पाकिस्तान तालिबान TTP के लड़ाकों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। स्वघोषित पाकिस्तान की एक सिविल मिलिट्री फोर्स है, जिसका मुख्यालय एक भीड़भाड़ वाले इलाके में स्थित है और सैन्य कैंटोनमेंट के करीब है।

देश के 53वें सीजेआईबने जस्टिस सूर्यकांत शपथ के बाद भाई, बहन के

पूर्व सीजेआई गवई से गले मिले; मोदी-शाह से मिलने पहुंचे

नई दिल्ली,एजेंसी। जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को देश के 53 वें मुख्य न्यायाधीश (CJI) के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में हुए समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने वहां मौजूद बहन और बड़े भाई के पैर छुए। इस कार्यक्रम में उनके परिवार के लोग शामिल हुए।

शपथ के बाद सीजेआई सूर्यकांत ने पीएम मोदी समेत अन्य लोगों से मुलाकात की। वे पूर्व सीजेआई बीआर गवई से गले मिले। इस समारोह में ब्राजील समेत सात देशों के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज भी राष्ट्रपति भवन पहुंचे। भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में पहली बार किसी सीजेआई के शपथ ग्रहण में इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय न्यायिक प्रतिनिधिमंडल की मौजूदगी रही। समारोह में भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरिशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश और उनके परिवार के सदस्य भी पहुंचे। इस दौरान पूर्व सीजेआई गवई ने एक नई मिसाल कायम की। शपथ ग्रहण समारोह के बाद उन्होंने अपनी आधिकारिक गाड़ी राष्ट्रपति भवन में ही अपने उत्तराधिकारी जस्टिस सूर्यकांत के लिए छोड़ दी।

सीजेआई सूर्यकांत का कार्यकाल 14 महीने का होगा : वर्तमान सीजेआई बीआर गवई का कार्यकाल रविवार 23 नवंबर को खत्म हो गया। उनके बाद अब जस्टिस सूर्यकांत यह जिम्मेदारी संभालेंगे। जस्टिस सूर्यकांत 9 फरवरी 2027 को रिटायर होंगे और उनका कार्यकाल लगभग 14 महीने का होगा।

चंद्रशेखर रावण की रैली में शामिल होंगी रोहिणी, ट्वीट किया- मंच पर तेरे साथ बैठूंगी, स्पीच भी दूंगी; किसी ने हाथ लगाया तो देश देखेगा

इंदौर,एजेंसी। भीम आर्मी चीफ और उत्तर प्रदेश के सांसद चंद्रशेखर आजाद 'रावण' की मुजफ्फर नगर के राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में होने वाली संविधान रैली से पहले सोशल मीडिया पर नया विवाद खड़ा हो गया है। रैली भले राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों के लिए रखी गई हो, लेकिन यह चंद्रशेखर की एक्स गर्लफ्रेंड डॉ. रोहिणी घावरी के तीखे पोस्ट के चलते अचानक सुर्खियों में आ गई है। इंदौर की रहने वाली डॉ. रोहिणी घावरी ने सोशल मीडिया पर चंद्रशेखर को सीधे लहजे में चुनौती देते हुए लिखा- चंद्रशेखर के मंच से अगर किसी ने मुझे हाथ भी लगाया तो पूरा देश देखेगा इसका महिला सम्मान।

इंडिया गेट पर नसली हिड़मा के पोस्टर लहराए गए

लाल सलाम और अमर रहे के नारे लगे; दिल्ली प्रदूषण के खिलाफ था प्रदर्शन, 22 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में इंडिया गेट पर रविवार देर शाम वायु प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल लोगों ने देश के मोस्ट वांटेड नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा (44) के पोस्टर लहराए। पोस्टरों में हिड़मा की तुलना आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा से की गई। हिड़मा को जल, जंगल और जमीन का रखवाला बताया गया। प्रदर्शनकारियों ने माड़वी हिड़मा अमर रहे जैसे नारे लगाए। उन्होंने पोस्टरों पर भी माड़वी हिड़मा को लाल सलाम जैसे नारे लिखे थे। एक प्रदर्शनकारी के पोस्टर पर लिखा था बिरसा मुंडा से लेकर माड़वी हिड़मा तक, हमारे जंगलों और पर्यावरण का संघर्ष जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान भीड़ की पुलिस से हाथापाई भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर मिर्च स्प्रे कर दिया, जिससे तीन-चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को दो थानों में FIR दर्ज की हैं। अब तक 22 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बता दें कि नक्सली हिड़मा एक करोड़ का इनामी नक्सली था। सुरक्षाबलों ने 18 नवंबर को आंध्र प्रदेश के एलूरी सीताराम राजू जिले में हिड़मा को एनकाउंटर में मार गिराया था। वह ढाई दशक से छत्तीसगढ़ के बस्तर में एक्टिव था। वह 26 बड़े हमलों का मास्टरमाइंड था।

अल-फलाह यूनिवर्सिटी के डॉक्टरों के लॉकर चेक होंगे, पुलिस प्रोफेसरों की बैंक डिटेल जुटा रही

फरीदाबाद की मस्जिद में मिला संदिग्ध पाउडर

फरीदाबाद, एजेंसी। हरियाणा के फरीदाबाद में पकड़े गए आतंकी मॉड्यूल से विस्फोटक बनाने का सामान मिलने के मामले में एक नया खुलासा हुआ है। पता चला है कि ये केमिकल फरीदाबाद, नूंह और आसपास के इलाकों से खरीदे गए थे। मॉड्यूल में शामिल डॉक्टर अमोनियम नाइट्रेट जैसे केमिकल जमा कर रहे थे, जिनका इस्तेमाल खाद बनाने में होता है।इसके बाद, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने तुरंत एक बड़ा अभियान शुरू किया है। वे खाद की दुकानों, केमिकल गोदामों, हार्डवेयर की दुकानों और कारखानों की जांच कर रहे हैं। पुलिस यह देख रही है कि हर दुकानदार ने कितना सामान खरीदा और बेचा, स्टॉक रजिस्टर में क्या लिखा है और सामान खरीदने वालों की पहचान क्या है।

फरीदाबाद पुलिस मस्जिद, होटल, कॉलोनियों, धर्मशालाओं और खाद-बीज की दुकानों में तलाशी ले रही है। डबुआ के त्यागी मार्केट स्थित जामा मस्जिद से एक संदिग्ध पाउडर मिलने के बाद जांच एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। अब इस पाउडर के सैंपल की लैब रिपोर्ट का इंतजार है।

अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़, 262 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त... दो गिरफ्तार

दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और दिल्ली पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर 328 किलो मेथामफेटामाइन बरामद की। छतरपुर स्थित एक घर से बरामद उच्च गुणवत्ता के इस मादक पदार्थ की कीमत 262 करोड़ रुपये आंकी गई है। ऑपरेशन क्रिस्टल फोर्टेस के तहत इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। यह दिल्ली में मेथामफेटामाइन की अब तक की सबसे बड़ी जब्तियों में एक है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस सफलता पर टीम को बधाई दी और कहा कि सरकार नशे के नेटवर्क को जड़ से समाप्त करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। एनसीबी के अधिकारियों के अनुसार, कई दिनों से मिल रही सूचनाओं और तकनीकी निगरानी के आधार पर 20 नवंबर को यह कार्रवाई की गई थी। जांच में पता चला कि बड़ा तस्कर गिरोह दिल्ली को देश और विदेश में नशीले पदार्थों की आपूर्ति का केंद्र बनाकर काम कर रहा था। छतरपुर से बरामद नशीला पदार्थ नगालैंड की एक महिला के घर से मिला, जिसे नगालैंड पुलिस की मदद से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके साथ एक अन्य आरोपी भी पकड़ा गया।

विदेश में बैठा है गिरोह का सरगना भारत लाने की तैयारी तेज: अधिकारियों ने बताया कि गिरोह का सरगना विदेश में बैठकर इसे चला रहा था और वह दिल्ली में पिछले वर्ष पकड़ी गई 82.5 किलो कोकीन के मामले में भी वांछित है। उसे भारत लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मदद ली जा रही है। सूत्रों ने बताया कि गिरोह लंबे समय से दिल्ली में सक्रिय था और कई तरह के कूरियर के जरिये लगातार नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहा था। इसके लिए कई सुरक्षित ठिकाने बनाए गए थे। एनसीबी ने लोगों से अपील की है कि नशीले पदार्थों से जुड़ी कोई भी सूचना राष्ट्रीय मादक द्रव्य हेल्पलाइन 1933 पर साझा करें।

नशा-मुक्त भारत के लिए जीरो टॉलरेंस नीति शाह: गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार नशे के कारोबार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। शाह ने कहा कि दिल्ली पुलिस और एनसीबी की यह सफलता दर्शाती है कि सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय पहले की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी हुआ है। इसी कारण मादक द्रव्यों के अंतरराष्ट्रीय गिरोह एक-एक कर पकड़े जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नशा-मुक्त भारत की पहल को मजबूत करने के लिए तस्करी का पूरा तंत्र तोड़ने पर विशेष जोर है। सरकार नशीले पदार्थों के हर स्रोत और तस्कर पर पूरी सख्ती के साथ कार्रवाई कर रही है।

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 1.6 करोड़ रुपए का स्टॉक मार्केट फ्रॉड उजागर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच साइबर सेल ने देशव्यापी स्टॉक मार्केट इन्वेस्टमेंट फ्रॉड के एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस गिरोह ने नकली प्री-आईपीओ स्कीम, फर्जी फॉरेक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म और हाई-रिटर्न के लालच में लोगों से करीब डेढ़ करोड़ रुपए से ज्यादा ठग लिए। पुलिस ने तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें दो नकली कंपनियों के संचालक शामिल हैं। पूरे मामले की शुरुआत एक पीड़िता की शिकायत के बाद हुई, जिसे सोशल मीडिया पर एक महिला ने यूके के कथित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म %स्प्रेडेक्स ग्लोबल लिमिटेड% में निवेश का लालच दिया। पीड़िता ने कुल 1.6 करोड़ रुपए गंवा दिए। जब उसने मुनाफा निकालने की कोशिश की तो अकाउंट ब्लॉक कर दिया गया। जांच में पता चला कि ठगी का पैसा दो फर्जी कंपनियों के खातों में जा रहा था। इन कंपनियों के नाम जीटीआर इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्वी दिल्ली के शकरपुर

में फर्जी ऑफिस) और उद्यम विमेन एम्पावरमेंट फाउंडेशन (महाराष्ट्र से संचालित) हैं। इन दोनों कंपनियों के खिलाफ नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर कुल 58 शिकायतें दर्ज थीं, जिनमें 1.10 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी का खुलासा हुआ। जीटीआर इलेक्ट्रॉनिक्स से 88.40 लाख रुपए और विमेन एम्पावरमेंट फाउंडेशन से 22 लाख रुपए की रकम बरामदगी की दिशा में पहचान हुई है।

पुलिस ने ठाणे और दिल्ली में एक साथ छापेमारी की। इस दौरान सुनील कुमार (आगरा, उत्तर प्रदेश), जीटीआर इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड का डायरेक्टर, विशाल चौरे और उनकी पत्नी (डोंबिवली, ठाणे), उद्यम विमेन एम्पावरमेंट फाउंडेशन के संचालक की गिरफ्तारी हुई।

पूछताछ में सुनील कुमार ने कबूल किया कि उसने साथियों के साथ मिलकर कंपनी रजिस्टर की, शकरपुर में किराए का ऑफिस लिया, और सिर्फ फ्रॉड के पैसे को लॉन्ड्रिंग करने के लिए बैंक अकाउंट खोला था।

बांग्लादेशी छात्र का शव फंदे से लटका मिला सात दिन पहले महिला के साथ आया था

ग्रेटर नोएडा। कोतवाली पुलिस का कहना है कि रविवार शाम सूचना मिली कि सेक्टर बीटा-1 के एक मकान में एक युवक ने आत्महत्या कर ली है। सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान पता चला कि मृतक सहरियार 16 नवंबर को एक महिला रूपा निवासी नार मधुबनी बिहार के साथ मकान पर आया था।

दोनों ने खुद को पति-पत्नी बताते हुए करीब आठ हजार रुपये मासिक किराये पर कमरा लिया था। अगले दिन 17 नवंबर को दोनों ने कमरे में शिफ्ट कर लिया था। मकान मालिक के अनुसार 21 नवंबर को महिला कमरे से कहीं चली गई थी। उसी दिन शाम से सहरियार का मोबाइल फोन भी लगातार बंद आ रहा था। इससे मकान मालिक को शक तो हुआ, लेकिन कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। रविवार शाम जब मकान मालिक ने खिड़की से अंदर झांककर देखा तो उसके होश उड़ गए। युवक पंखे से रस्सी के सहारे लटका हुआ था। इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फील्ड यूनिट भी मौके पर पहुंची। घटनास्थल की फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी कर सभी साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। मृतक के परिजनों को बांग्लादेश में सूचित कर दिया गया है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। महिला के कमरे से जाने और उसके बाद युवक के मोबाइल के बंद होने को लेकर पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है। संबंधित महिला से भी पूछताछ की जाएगी।

कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि आशंका है कि युवक महिला के जाने के बाद से मानसिक तनाव में था। छात्र के एनआईए में पढ़ने संबंधी दस्तावेज नहीं मिले हैं। मकान मालिक को उसने बताया था कि वह एनआईयू में पढ़ता है। घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। युवक के साथ आई महिला के भी पता नहीं चल पाया है। महिला की तलाश की जा रही है।

वाहन चोर गिरफ्तार, 26 दोपहिया वाहन बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। निहाल विहार इलाके में शिकायतकर्ता ने न सिर्फ चोरी हुई अपनी स्कूटी बरामद कर ली बल्कि चोरी के वाहनों के जखीरे का भी खुलासा कर दिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर आरोपी नरेंद्र के घर पर दबिश देकर 26 दोपहिया वाहन बरामद कर लिए, जिसमें छह बाइक और 20 स्कूटी शामिल हैं। पुलिस ने 65 साल के वाहन चोर नरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच में पता चला कि आरोपी 2016 से वाहन चोरी की वारदात को अंजाम दे रहा है और अब तक सैकड़ों वाहनों की चोरी कर चुका है। पुलिस उससे पूछताछ कर वाहनों के बारे में जानकारी हासिल कर रही है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने हो गई थी। जिसकी उसने निहाल विहार थाने में ई-एफआईआर करवाई थी।

अमेरिका समेत दुनिया बेखबर, ताइवान पर कब्जा करने चीन ने बनाया सीक्रेट

सैटेलाइट से खुला राज, सैन्य अयास में नागरिक जहाजों का कर रहा इस्तेमाल

बीजिंग, एजेंसी। एक रिपोर्ट ने पूरी दुनिया के सैन्य एक्सपर्ट्स को डरा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक एक विस्तृत जांच में पता चला कि चीन अपने व्यापारी जहाजों और आम नागरिक नौकाओं को इस तरह इस्तेमाल कर रहा है कि जरूरत पड़ने पर ये ताइवान पर संभावित समुद्री हमले में सेना की पहली लहर का हिस्सा बन सकें। इस साल हुए बड़े सैन्य अभ्यास में इन नागरिक जहाजों की भूमिका को जहाज ट्रैकिंग डेटा और सैटेलाइट तस्वीरों के जरिए चिन्हित किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि ये अभ्यास सिर्फ दिखावा नहीं, बल्कि चीन की उन ठोस योजनाओं का हिस्सा हैं जिनसे वह ताइवान को वह अपने सामने जल्दी झुका सके। अगस्त 2025 में चीन के तट के पास एक अभ्यास देखा गया जिसमें 12 नागरिक जहाज पहले अपनी-अपनी घरेलू जगहों पर थे, लेकिन एक तय योजना के तहत धीरे-धीरे दक्षिण की ओर बढ़ गए। इनमें छह रोल-ऑन, रोल-ऑफ फेरी थीं, जिनमें गाड़ियां सीधे जहाज पर एक रैंप के जरिए चढ़ और उतर सकती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक छह कार्गो जहाज थे जिन्हें एशिया में आम तौर पर भारी सामान ढोने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। रात होने के बाद ये जहाज ग्वांगडोंग प्रांत के एक बीच के पास पहुंचे, जहां चीन की सेना के ठिकाने मौजूद हैं। इसके बाद सैटेलाइट तस्वीरों में साफ दिखा कि ये जहाज अपने रैंप खोलकर सैन्य वाहनों को सीधे रेत पर उतार रहे थे। ताइवान और अमेरिका के दस से ज्यादा नौसैनिक विशेषज्ञों ने इन तस्वीरों को देखने के बाद माना कि चीन अब नागरिक जहाजों को सैन्य इस्तेमाल के लिए पूरी तरह शामिल करने की रणनीति पर काम कर रहा है। इन जहाजों का फायदा यह है कि ये सस्ते हैं, बड़ी संख्या में मौजूद हैं और इनका ढांचा ऐसा है कि ये पोर्ट की जरूरत के बिना सीधे समुद्र तट पर भारी सामान उतार सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है तो इन हजारों नागरिक जहाजों की मदद से वह समुद्र तट पर उतरने वाली अपनी सेना की क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है। कई विशेषज्ञों ने कहा कि अगर चीन ताइवान पर उतरा, तो यह ऑपरेशन द्वितीय विश्व युद्ध की नॉर्मडी लैंडिंग से भी बड़ा और कठिन हो सकता है। अगस्त के इस अभ्यास में सिर्फ कार्गो जहाज ही नहीं, बल्कि छोटे वाहनों की लंबी लाइन और एक अस्थायी पियर्स सिस्टम भी देखा गया, जिसे पहले तकनीकी कारणों से असफल बताया गया था। इससे संकेत मिलता है कि चीन लगातार अपनी तकनीक में सुधार कर रहा है और किसी भी संभावित कार्रवाई के समय ताइवान पर कई दिशाओं से उतरने की क्षमता तैयार कर चुका है। विशेषज्ञ कहते हैं कि अगर चीन कई जगहों पर एक साथ उतरने की कोशिश करता है, तो ताइवान की रक्षा और मुश्किल हो जाएगी। इन अभ्यासों के सिर्फ 11 दिन बाद बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भव्य सैन्य परेड निकाली। भले ही उन्होंने ताइवान का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी पार्टी बार-बार कह चुकी है कि ताइवान चीन का हिस्सा है और उसे अलग होने नहीं दिया जाएगा. ताइवान सरकार इसे सख्ती से खारिज करती है और कहती है कि ताइवान के भविष्य का फैसला उसके लोग करेंगे। उधर, ताइवान के रक्षा मंत्री ने कहा कि उनका देश चीन के इस तरह के अभ्यासों पर लगातार निगरानी रख रहा है।

ब्राजील में पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो को जेल भेजने पर जश्न, प्राइड मार्च में गूंजे जबरदस्त नारे!

ब्रासीलिया, एजेंसी । रियो डी जेनेरियो की सालाना 'प्राइड परेड के लिए रविवार को कोपाकबाना के बोर्डवॉक पर हजारों लोग एकत्र हुए और उन्होंने ब्राज़ील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को एक दिन पहले एहतियाती तौर पर जेल भेजे जाने का जश्न मनाया। प्रदर्शनकारी ट्रकों पर सवार थे और उन्होंने लोगों से कहा, ''वह जेल में हैं! और ''बोल्सोनारो बाहर जाओ। इस दौरान एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों ने इंद्रधनुषी कपड़े पहने हुए थे और वे जोरदार तरीके से नारेबाजी कर रहे थे। बोल्सोनारो समलैंगिक-विरोधी अपनी टिप्पणियों को लेकर निशाने पर रहे हैं। कला, थिएटर और डांस प्रोफेसर एमी माटेयस सैंटोस (25) ने कहा, '' यह बहुत खुशी की बात है। इससे पता चलता है कि नफरत से लड़ना फ़ायदेमंद है और हम जैसे लोगों का भी भविष्य मुमकिन है। बोल्सोनारो ने एक बार खुद को ''गौरवान्वित होमोफोब कहा था और यहां तक कहा था कि ''एक समलैंगिक बेटा होने के बजाय अच्छा होगा कि उनका बेटा नहीं हो। बोल्सोनारो को 2022 की चुनावी हार के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की कोशिश करने के जुर्म में सितंबर में 27 साल की सजा सुनाई गई थी।

शंघाई हवाई अड्डे पर अरुणाचल की महिला को चीनी आव्रजन कर्मियों ने किया प्रताड़ित

शंघाई/नई दिल्ली, एजेंसी। चीनी सरकार के आव्रजन अधिकारियों ने शंघाई के पुडोंग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अरुणाचल प्रदेश में जन्मी एक भारतीय महिला को गत सप्ताह उनके भारतीय पासपोर्ट को अमान्य बताते हुए उन्हें घंटों तक रोके रखा और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

मामला यह है कि ब्रिटेन में रह रहीं पेमा वांगजॉम थोंगडोक 21 नवंबर को लंदन से जापान यात्रा पर थीं और उनकी तीन घंटे का स्टॉपओवर शंघाई पुडोंग हवाई अड्डे पर था। उन्होंने आरोप लगाया कि आव्रजन कांउटर पर अधिकारियों ने उनके पासपोर्ट को अमान्य करार दिया क्योंकि उसमें जन्मस्थान के तौर पर अरुणाचल प्रदेश लिखा था। पेमा ने एक टीवी चैनल को बताया कि चीनी आव्रजन अधिकारियों ने कहा, अरुणाचल प्रदेश

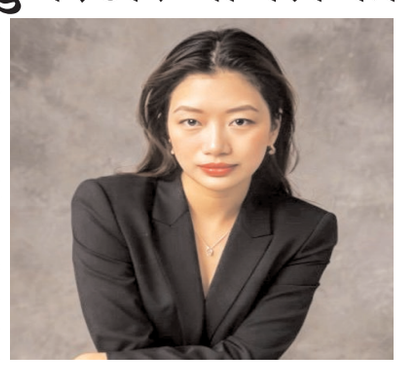

चीन का हिस्सा है। उन्होंने कहा, आव्रजन के बाद, मैंने अपना पासपोर्ट जमा किया और सुरक्षा जांच में इंतजार कर रही थी। तभी एक अधिकारी आया और मेरा नाम लेकर इंडिया, इंडिया चिल्लाने लगा और मुझे अलग कर आव्रजन डेस्क पर ले गया। वहां कहा गया, अरुणाचल, अमान्य पासपोर्ट।

जब मैंने पूछा कि भारतीय पासपोर्ट मान्य क्यों नहीं है, अधिकारी ने बस यही जवाब दिया, अरुणाचल चीन का हिस्सा है। आपका पासपोर्ट अमान्य है। पेमा के मुताबिक, वह इस जवाब से भ्रमित हो गई, क्योंकि पिछले साल वह शंघाई से बिना किसी समस्या के यात्रा कर चुकी थीं और लंदन स्थित चीनी दूतावास से भी पुष्टि मिली थी कि भारतीयों के लिए कोई दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई आव्रजन कर्मियों और चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस स्टाफ ने उनका मज़ाक उड़ाया और यहां तक कह दिया कि चीनी पासपोर्ट के लिए आवेदन करें। पेमा ने कहा कि उनका यह संक्षिप्त ट्रांजिट 18 घंटे की मशक्कत में बदल गया, जिसमें उन्हें स्पष्ट जानकारी, भोजन और हवाई अड्डे की सुविधाएं नहीं मिल पाई। प्रेमा ने कहा कि उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया गया और उन्हें वैध वीजा होने पर भी जापान जाने वाली अगली फ्लाइट में बैठने नहीं दिया गया।

ट्रांजिट क्षेत्र में सीमित सुविधाएं होने के कारण, वह दूसरी फ्लाइट में टिकट बुक करने, भोजन खरीदने या टर्मिनल बदलने में सक्षम नहीं थीं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने केवल चाइना ईस्टर्न की नई टिकट खरीदने का दबाव बनाया और संकेत दिया कि ऐसा करने के बाद ही पासपोर्ट लौटाएंगे, जिससे फ्लाइट और होटल की बुकिंग छूटने से उनका आर्थिक नुकसान हुआ।

भीषण सड़क हादसा: पैदल यात्रियों पर चढ़ी तेज रफ्तार कार, 10 लोगों को कुचला

टोक्यो, एजेंसी। जापान की राजधानी टोक्यो में सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा हुआ, जब एक कार ने सड़क पर चल रहे करीब 10 पैदल यात्रियों को जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कई अन्य को हल्की चोटें आईं। जापानी मीडिया के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद कार का ड्राइवर घटनास्थल से भाग गया, जिसे पुलिस ने थोड़ी देर बाद पकड़ लिया। माइनिची अख़बार ने बताया कि ड्राइवर पर हिट-एंड-रन (टक्कर मारकर भागने) का मामला दर्ज किया गया है।

ईको वैन की मदद से चार बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। वसंत कुंज साउथ इलाके में बदमाशों ने एक घर में चोरी की। वारदात को अंजाम देने के दौरान इस्तेमाल ईको वैन सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने ईको वैन की मदद से 36 घंटे के भीतर वारदात में शामिल चार चोरों को गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने एसी का दो एक्सटीरियर यूनिट, स्प्लिट एसी का एक इनर यूनिट, नौ लग्जरी घड़ियां, एक लैपटॉप, दो चेक बुक, चार ब्रांडेड सन ग्लास, ब्रांडेड जूते, बेल्ट और कॉस्मेटिक सामान, घर की सजावट का सामान और ईको वैन बरामद की है। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि बदमाशों की पहचान सुधीर उर्फ बाबा, मंगल, साजन और पवन यादव के रूप में हुई है। 18 नवंबर को वसंत कुंज के पार्क लेन चर्च रोड पर स्थित एक घर में चोरी होने की शिकायत वसंत कुंज साउथ थाने को मिली। घर के केयर टेकर डी कुमार ने पुलिस को उन चीजों का ब्यौरा दिया, जिसे चोर चोरी करके ले गए थे। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया। जांच के दौरान पुलिस ने घर के आसपास लगे 70 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच की। जिसमें पुलिस को पता चला कि वारदात को अंजाम देने के लिए आए बदमाश ईको वैन से आए थे। पुलिस ने मुखबिरों को सक्रिय किया। सूचना मिली कि चोरी में शामिल बदमाश घिटोरनी फॉरेस्ट एरिया में मौजूद हैं। जहां पुलिस ने दबिश देकर ईको वैन समेत बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।

हेरोइन सप्लाई करने वाले गिरोह का सरगना गिरफ्तार

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने हेरोइन सप्लाई करने वाले गिरोह के सरगना को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मटियाला, दिल्ली निवासी तुषार (31) के रूप में हुई है। इसी साल दो मामलों में पुलिस ने आरोपी के गिरोह से करीब आठ करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद की थी। तभी से तुषार फरार था।

अदालत ने दोनों ही मामलों में तुषार को भगोड़ा घोषित किया हुआ था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। इसके खिलाफ पहले भी पांच मामले दर्ज हैं। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला है कि तुषार के माता-पिता व भाई भी मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल हैं। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदोरा ने बताया कि इसी साल अपराध शाखा की टीम ने 30 जनवरी और 11 फरवरी को अलग-अलग मामलों में दो लोगों को गिरफ्तार कर इनके पास से कुल आठ करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद की थी। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि बरामद हेरोइन इनको तुषार ने उपलब्ध करवाई थी। पुलिस की टीम तुषार की तलाश कर रही थी। इस बीच दो जुलाई और 17 अक्तूबर को अलग-अलग कोर्ट ने तुषार को भगोड़ा घोषित कर दिया। लगातार पुलिस की टीम उसकी तलाश कर रही थी। इस बीच टीम को सूचना मिली कि तुषार महावीर एंक्लेव में आने वाला है। आरोपी को दबोच लिया गया। पूछताछ में आरोपी तुषार ने बताया कि उसका पूरा परिवार मादक पदार्थ की तस्करी में शामिल है। पुलिस को धोखा देने के लिए आरोपी ने अपनी बुटीक शॉप खोली हुई थी।

घरेलू एलपीजी सिलिंडर से गैस चोरी के मामले में पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली। कहीं आप तो अपने घरेलू एलपीजी सिलिंडर में गैस कम नहीं ले रहे। जी हां, दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने घरेलू एलपीजी सिलिंडर से गैस चोरी कर व्यावसायिक सिलिंडर में भरकर बेचने वाले गिरोह का खुलासा किया है। आरोपी रिहायशी इलाके में अवैध रूप से गोरखधंधा कर रहे थे। टीम ने मुंडका इलाके में छापेमारी कर पांच आरोपियों को दबोचा है। इनकी पहचान राम निवास (गोदाम मैनेजर), अवनेश (रिफिलिंग स्टाफ), मनोज कुमार (रिफिलिंग स्टाफ), अर्जन (लोडर) और शाहरुख (लोडर) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 563 एलपीजी सिलिंडर, 15 इलेक्ट्रॉनिक फिलिंग मशीन, वजन तोलने की मशीन, अवैध सीलिंग मेटेरियल व अन्य सामान बरामद किया है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि उनकी टीम को सूचना मिली थी कि मुंडका के रिहायशी इलाके में एलपीजी के घरेलू सिलिंडर से कमर्शियल सिलिंडर को रिफिल करने का गोरखधंधा चल रहा है। सूचना मिलने के बाद फौरन एक टीम का गठन किया गया। टीम ने मंगल बाजार रोड, स्वर्ण पार्क, मुंडका पर छापेमारी की। वहां मौके से एलपीजी सिलिंडर को दोबारा से भरने का काम चल रहा था। टीम ने रंगेहाथों पांचों आरोपियों को दबोच लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि गोदाम का मालिक पीरागढ़ी निवासी विनोद कुमार है। छापेमारी की सूचना मिलने के बाद आरोपी फरार हो गया।

2026 में आसमान से आएगी आफत...बार-बार आएगा भंकूप.....ये हम नहीं बाबा वंगा कह रहे

लंदन,एजेंसी। 2026 में एक नया बड़ा खतरा आसमान से आ सकता है, और दुनिया तीसरी सबसे भयानक हिंसा और खून-खराबे की घटना देख सकती है। यह हम नहीं बाबा वंगा कह रहे हैं, जिनके पास दुनिया को देखने के लिए आंखें नहीं थी, लेकिन अपनी रहस्यवादी शक्तियों के दम पर उन्होंने मरने से पहले 5079 तक भविष्यवाणी की। उनकी भविष्यवाणी के मुताबिक दुनिया के लिए आने वाला साल भी चुनौतियों भरा रहेगा। बाबा वंगा सबसे दिलचस्प, रहस्यमयी और हमेशा सुर्खियों में रहने वाली शख्सियतों में से एक हैं। 1911 में जन्मी और बचपन में एक दुर्घटना के बाद अपनी दृष्टि खोने वाली, बाबा वंगा ने दावा किया कि उनके पास असाधारण भविष्यवाणी करने की क्षमता है। जैसे-जैसे दुनिया 2026 के करीब आ रही है और भविष्य में और आगे देख रही है, उनकी भविष्यवाणियों में दिलचस्पी लोगों में बढ़ रही है, खासकर उन लोगों में जो यह जानने को उत्सुक हैं कि आने वाले सालों में क्या हो सकता है, और उनकी भविष्यवाणियों से जानकारी, चेतावनियां और खुलासे जानने के लिए उत्सुक हैं। 2026 के लिए वेंगा ने चेतावनी दी थी कि इस साल बड़ी-बड़ी प्राकृतिक आपदाओं से दुनिया दहल जाएगी। बार-बार भूकंप से धरती कांपेगी और जगह-जगह ज्वालामुखी फटेगा। बाबा वेंगा की भविष्यवाणी में चेताया गया है कि आने वाले साल धरती का कम से कम सात से आठ प्रतिशत हिस्सा आपदाओं से जूझेगा। बाबा वेंगा की भविष्यवाणी के मुताबिक एआई इतना एडवांस हो जाएगा कि इंसानों के कंट्रोल से बाहर जा सकता है, जिसकी वजह से बड़ा खतरा पैदा होने की उम्मीद हैं। उनके मुताबिक 2026 वहां साल होगा जब सबसे पहली बार एलियन्स के साथ संपर्क हो सकता है, ये सब साल के आखिरी महीनों में होने वाला है। उन्होंने धरती के आस-पास स्पेसक्राफ्ट मंडराने की भी चेतावनी दी है।

भारतीयों के लिए खुशखबरी : कनाडा ने नागरिकता कानून में किया ऐतिहासिक बदलाव,

ओटावा,एजेंसी। कनाडा ने वंश-आधारित नागरिकता कानून को आधुनिक बनाने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया है। इस अधिनियम में संशोधन करने वाले विधेयक को शाही मंजूरी मिल गई है। इस कदम से का असर भारतीय मूल के हजारों परिवारों पर पड़ने की संभावना है। कनाडा सरकार द्वारा शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नागरिकता अधिनियम (2025) में संशोधन करने वाले विधेयक सी-3 को शाही स्वीकृति मिल गई है। इसमें कहा गया कि यह नागरिकता अधिनियम को और अधिक समावेशी बनाने और कनाडाई नागरिकता के मूल्य को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।समाचार विज्ञप्ति में कहा गया है, नए कानून के लागू होते ही, उन सभी लोगों को कनाडाई नागरिकता प्रदान की जाएगी, जो विधेयक के प्रभाव में आने से पहले पैदा हुए हैं और जो प्रथम-पीढ़ी की सीमा या पिछले कानूनों के पुराने प्रावधानों के कारण नागरिक नहीं बन पाए थे। कनाडाई वंशानुक्रम से नागरिकता पर पहली-पीढ़ी की सीमा वर्ष 2009 में लागू की गई थी। इसका अर्थ है कि यदि कोई बच्चा कनाडा के बाहर पैदा हुआ या गोद लिया गया है, तो वह वंशानुक्रम से कनाडाई नागरिक नहीं माना जाएगा, ।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़एक्सीलेंस में तेग बहादुर शहीदी दिवस पर प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आज 24 नवंबर को सिख धर्म के 9वें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु तेग बहादुर जैसे महापुरुषों के जीवन आदर्शों से हमें सदैव प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि सत्य के मार्ग का अनुसरण, मन की शांति और श्रेष्ठ कर्मकृये सभी तत्व हमें समाज

के लिए सकारात्मक योगदान करने हेतु प्रेरित करते हैं।

इसके बाद विषय प्रस्तुति के दौरान डॉ. दिलीप कुमार सोनी ने गुरु तेग बहादुर जी के देशभक्ति, त्याग, मानवीय मूल्यों और सामाजिक जागरूकता से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंगों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की भूमिका सदैव व्यवस्था को सुदृढ़ करने वाली होनी चाहिए, न कि उसमें बाधा उत्पन्न करने वाली।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. गंगा देवी बैरागी, कार्यक्रम अधिकारी, द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. राम मिलन प्रजापति, सहायक प्राध्यापक, ने किया। इस अवसर पर प्रो. श्रेया शर्मा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे और गुरु तेग बहादुर जी के जीवन-संदेशों से प्रेरित होकर कार्यक्रम से लाभान्वित हुए।

कुसमी में 19 बीएलओ को समय से पहले सर्वे पूरा, एसडीएम विकास आनंद ने उत्कृष्ट कार्य के लिए किया सम्मानित

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कुसमी तहसील में सोमवार को 19 बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) को सम्मानित किया गया। इन बीएलओ ने निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को निर्धारित समय से पहले पूरा किया था। सम्मान समारोह एसडीएम कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया। एसडीएम विकास आनंद ने सभी बीएलओ को प्रमाण पत्र भेंट कर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। यह सम्मान मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में उनकी जिम्मेदारी और समर्पण का प्रतीक था, जिसे समयबद्ध तरीके से पूरा किया गया।

एसडीएम आनंद ने इस अवसर पर कहा कि निर्वाचन कार्य प्रशासन का सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने बताया कि इस कार्य को निर्धारित समय से पूर्व पूर्ण करना न केवल

जिम्मेदारी का परिचय है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति समर्पण भी दर्शाता है।

अधिकारियों ने इस उपलब्धि को क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया। म्मानित किए गए बीएलओ में राम सजीवन मिश्रा, कमलचंद जायसवाल, चंद्रकली पटेल, शिव संजय यादव, प्रमोद कुमार पांडेय, राजेश कुमार साहू, हीरालाल सिंह, रामबहोर जायसवाल, राकेश कुमार मिश्रा, सूरज कुमार सिंह, धर्मराज सिंह, पूरन सिंह, भैया लाल यादव, रामकिशोर प्रजापति, यशवंत सिंह, तेजभान सिंह, वीर बहादुर सिंह, महेश प्रसाद कोरी और अजय पनिका शामिल हैं।

इस कार्यक्रम में तहसीलदार कुसमी नारायण सिंह, लिपिक केपी सिंह, ऋषभ त्रिपाठी, सुबेदार, सुदामा पटेल और संतोष त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में एसडीएम ने सभी उपस्थित कर्मियों को आगामी कार्यों में भी इसी प्रकार निष्ठा और पारदर्शिता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

बस की टक्कर से ऑटो पलटा, मासूम का पैर टूटा; तिलक की खरीदारी कर लौट रहा था परिवार, चालक फरार

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जमोड़ी थाना अंतर्गत अधियारखोह में रविवार रात एक प्रधान बस ने ऑटो को टक्कर मार दी। इस हादसे में ऑटो में सवार सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो सड़क पर पलट गया। घायलों में एक मासूम बच्ची का पैर टूट गया है, जिसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। ऑटो चालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रीवा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। स्थानीय लोगों और 108 एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के बाद बस चालक बस समेत मौके से फरार हो गया।

टीआई बोले- सभी अस्पताल में भर्ती है, इलाज जारी है: घायल वर्मा परिवार सीधी से तिलक की खरीदारी कर अपने घर लौट रहा था। परिवार अर्पित वर्मा के यहां 25 नवंबर को होने वाले तिलक समारोह की तैयारी के लिए आया था। जमोड़ी थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि घायलों की पहचान अभी उपचार के कारण स्पष्ट नहीं हो सकी है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसमें से एक मरीज को रीवा भेजा गया है। शेष घायलों की स्थिति स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने बस चालक और बस की तलाश शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी है।

एसआईआर रैंकिंग प्रदेश में 49वें स्थान पर, रीवा संभाग में सबसे पीछे; कलेक्टर बोले- लोगों के पता बदलने से आ रहीं दिक्कतें

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। निर्वाचन आयोग की ईएसआई (इलेक्टर्स रेटिंग ऑफ इंडिया) की जारी मतदाता सूची आधारित स्कोरिंग रैंकिंग (सर) में सिंगरौली जिले का प्रदर्शन कमजोर रहा है। जिले ने 51.41 प्रतिशत स्कोर हासिल किया, जिसके साथ सिंगरौली प्रदेश के 49वें स्थान पर रहा। रीवा संभाग में भी सिंगरौली अंतिम पायदान पर है। रैंकिंग में गिरावट का मुख्य कारण शहरी क्षेत्रों में प्रवासन (माइग्रेशन) की समस्या बताई जा रही है। इस वजह से डोर-टू-डोर सत्यापन और फॉर्म अपडेट का काम धीमी गति से हो पा रहा है।

परेशानियां आ रही सामने: कलेक्टर गौरव बैनल ने कहा कि शहरों में काम के लिए लोगों की आवाजाही बढ़ने से मतदाता सूची का सत्यापन चुनौतीपूर्ण हो जाता है। उन्होंने बताया कि प्रशासन का प्रयास है कि हर घर तक टीम पहुंचे और सही जानकारी अपडेट हो। शहरों में लोगों का बार-बार पता बदलना रैंकिंग को प्रभावित कर रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। सभी बीएलओ और नियुक्त अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अंतिम तिथि तक हर पात्र व्यक्ति का नाम सूची में दर्ज हो और डुप्लिकेट नामों को हटाया जाए।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, आस-पास के जिलों की तुलना में सिंगरौली का स्कोर काफी नीचे है। सीधी 53.28 प्रतिशत, रीवा 52.97 प्रतिशत और सतना 54.60 प्रतिशत स्कोर के साथ सिंगरौली से ऊपर हैं। प्रशासन अब फील्ड टीमों की संख्या बढ़ाने और शहरी क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाने की तैयारी कर रहा है, ताकि आगामी समीक्षा में जिले की रैंकिंग में सुधार किया जा सके।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा की,कहा- जिला अधिकारी करेंगे मॉनिटरिंग; लापरवाही बर्दाश्त नहीं

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में समयावधि पत्रों और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में पत्रों का जवाब देने और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा स्वयं मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के जवाब संबंधित एल-1 अधिकारियों के माध्यम से दर्ज कराए जाएं। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी शिकायत बिना समाधान के न रहे। डॉ. सिंह ने अधिकारियों को 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता के साथ करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का समाधान निम्न गुणवत्ता का नहीं होना चाहिए।

कलेक्टर ने अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के लिए मैदानी अमले को भी दायित्व सौंपने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन विभागों में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें कम संख्या में हैं, वहां के जिला प्रमुख अधिकारी शत-प्रतिशत शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करें।

बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अमृता गर्ग, संयुक्त कलेक्टर प्रगति वर्मा, डिप्टी कलेक्टर अन्तोनिया एक्का सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मॉडल रोड पर 10 किमी फ्लाई ऐश बिखरी, धूल से शहरवासियों को आंखों में जलन; कलेक्टर बोले- गलत रूट वाले वाहन होंगे जब्त

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। मुख्य मार्ग मॉडल रोड पर सोमवार सुबह करीब 10 किलोमीटर तक फ्लाई ऐश फैल गई। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज हवा के कारण राख हवा में उड़ने लगी, जिससे आसपास के क्षेत्रों में आंखों में जलन, गले में खराश और सांस लेने में दिक्कत जैसी समस्याएं सामने आईं।

प्रतिबंधित मार्ग पर किया जा रहा था परिवहन: शहरवासियों ने आरोप लगाया कि मॉडल रोड पर फ्लाई ऐश का परिवहन पूरी तरह प्रतिबंधित होने के बावजूद वाहन खुलेआम यहां से गुजर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, फ्लाई ऐश से भरा एक वाहन रास्ते में क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके चलते बड़ी मात्रा में राख सड़क पर फैल गई। यह वाहन निर्धारित कन्वेयर मार्ग का उपयोग न करके प्रतिबंधित मॉडल रोड से ही गुजर रहा था।

कलेक्टर बोले- गलत रूट पर पकड़े गए वाहन जब्त होंगे: जिला प्रशासन पहले ही निर्देश दे चुका है कि रीवा-सतना या सीधी की ओर जाने वाले फ्लाई ऐश वाहनों को केवल कन्वेयर मार्ग का ही उपयोग करना है। मामले में कलेक्टर गौरव बेनल ने कहा कि गलत रूट पर पकड़े जाने वाले क्षतिग्रस्त वाहनों को जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही एनटीपीसी और एनसीएल अधिकारियों की बैठक बुलाकर नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

फ्लाई ऐश के कण स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा: जानकारी के अनुसार, फ्लाई ऐश में मौजूद सूक्ष्म कण पीएम2.5 और पीएम10 मानव स्वास्थ्य पर गहरा असर डालते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि इन कणों के संपर्क में आने से आंखों में जलन, खांसी, एलर्जी, गले में संक्रमण और फेफड़ों को नुकसान हो सकता है। लंबे समय तक इसका असर रहने पर अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और कई श्वास संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह अधिक हानिकारक है।

'मिनी ब्राजील' पहुंचे जर्मन कोच डाइटमार बीयर्सडॉर्फ

विचारपुर में खिलाड़ियों से मिले, बोले- यहां के बच्चे विदेशों में अपनी पहचान बना रहे

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के विचारपुर, को 'मिनी ब्राजील' के नाम से जाना जाता है। सोमवार को वहां जर्मनी के प्रतिष्ठित फुटबॉल क्लब एफसी इंगोलस्टेड के कोच डाइटमार बीयर्सडॉर्फ पहुंचे। इस दौरान उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कोच बीयर्सडॉर्फ ने विचारपुर के युवा खिलाड़ियों के अभिभावकों से मुलाकात कर उनके योगदान की सराहना की और उन्हें प्रेरित किया।

अभिभावकों से मुलाकात कर सराहना की: कोच बीयर्सडॉर्फ ने 5 से 12 अक्टूबर तक जर्मनी में प्रशिक्षण लेने वाले खिलाड़ियों वीरेंद्र बैगा, लक्ष्मी सहीस और सानिया कुंडे के घर का दौरा किया। उन्होंने कहा, 'एक छोटे से गांव से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहुंचना बड़ी उपलब्धि है। विचारपुर के खिलाड़ी सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी अपनी पहचान बना रहे हैं।' अभिभावकों ने पारंपरिक भारतीय शैली में हाथ जोड़कर जर्मन कोच का स्वागत किया और अपने बच्चों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसर देने के लिए क्लब और कोच का धन्यवाद किया।

प्रधानमंत्री की सराहना के बाद मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान: विचारपुर को अंतरराष्ट्रीय पहचान तब मिली जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में यहां की फुटबॉल टीम को 'मिनी ब्राजील' कहा। इसके बाद एफसी इंगोलस्टेड क्लब ने 4 से 12 अक्टूबर 2025 तक खिलाड़ियों और कोच को विशेष प्रशिक्षण का अवसर दिया। इस ट्रेनिंग में पांच खिलाड़ी और एक महिला कोच शामिल हैं, जिनमें लक्ष्मी सहीस, सानिया कुंडे, सुहानी कोल, प्रीतम कुमार, वीरेंद्र बैगा और मनीष घसिया हैं।

कलेक्टर ने भारतीय परंपरा में स्वागत किया: शनिवार को कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जर्मनी से आए कोच डाइटमार बीयर्सडॉर्फ, कौशिक मौलिक और मैन्युअल स्केफर का शाल, फूलमाला, गौतम बुद्ध की प्रतिमा और फुटबॉल भेंट करके स्वागत किया। जर्मन टीम ने भी अपनी पारंपरिक शैली में कलेक्टर और वरिष्ठ खिलाड़ी सुरेश कुंडे का अभिवादन किया।

सेक्टर अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी सतत् मानीटरिंग में जुटे

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं का सत्यापन कार्य सतत् रूप से जारी है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत प्रत्येक मतदाता से गणना पत्रक में आवश्यक जानकारी संकलित कर उसका डिजिटाइजेशन किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में सेक्टर अधिकारी, प्रभारी अधिकारी एवं एसडीएम लगातार क्षेत्र भ्रमण कर एसआईआर कार्य की मानीटरिंग कर रहे हैं। वे बीएलओ द्वारा सामना की जा रही समस्याओं का समाधान भी तत्काल कर रहे हैं, जिससे कार्य सुचारु रूप से आगे बढ़ रहा है।

कलेक्टर ने सभी बीएलओ को निर्देशित किया है कि निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने हेतु अन्य विभागीय कर्मचारियों तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों का सहयोग भी लें। उनके निर्देशों का सकारात्मक परिणाम यह है कि गणना पत्रक के डिजिटाइजेशन का कार्य जिले में तेज गति से प्रगति पर है तथा इसे नियत समय से पूर्व शत-प्रतिशत पूर्ण कराने की तैयारी की जा रही है।

कलेक्टर का छात्रा से सवाल-क्या बनना चाहती हो ?

जवाब- 'पावर' चाहिए, ताकि लड़की होने का अफसोस खत्म कर सके

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। कलेक्टर गौरव बेनल सोमवार को बैढ़न स्थित उत्कृष्ट विद्यालय पहुंचे। उन्होंने यहां छात्र-छात्राओं से संवाद किया। इस दौरान कक्षा 12वीं की मैथ्स की स्टूडेंट रश्मि शाह के जवाब ने सभी का ध्यान खींचा। कलेक्टर ने छात्रा से पूछा कि वह बड़ी होकर क्या बनना चाहती है।

रश्मि ने जवाब दिया कि उसे 'पावर' चाहिए, ताकि वह लड़की होने का अफसोस खत्म कर सके और अपने परिवार की मदद कर सके। छात्रा का जवाब सुनकर कलेक्टर गौरव बेनल ने कहा, 'लड़की होना कभी अफसोस की बात नहीं, यह गर्व की बात है। शक्ति, संवेदना और मेहनत, ये तीनों गुण लड़कियों में स्वाभाविक रूप से होते हैं। पावर पढ़ाई और आत्मविश्वास से मिलती है, पहचान लिंग से नहीं।' कलेक्टर की इस बात पर

कक्षा में मौजूद छात्रों ने तालियां बजाईं। पढ़िए कलेक्टर और छात्रा के बीच हुई पूरी बातचीत...: कलेक्टर- आप क्या बनना चाहती हो, आपका लक्ष्य क्या है?

रश्मि शाह: मुझे पावर चाहिए।

कलेक्टर: कौन-सी पावर चाहिए?

रश्मि शाह: मुझे ऐसी पावर चाहिए कि मुझे लड़की होने का कोई अफसोस न हो।

कलेक्टर: लड़की होने का तो वैसे भी कोई अफसोस नहीं होना चाहिए। किस तरह की पावर चाहती हो? अधिकारी बनना है या राजनीति में जाना है? क्या बनना चाहती हो?

इस पर छात्रा ने बेहद आत्मविश्वास के साथ अपनी इच्छाएं बताईं: रश्मि शाह: पहला- मनी पावर चाहिए। दूसरा- सम्मान चाहिए। तीसरा- परिवार का पूरा सपोर्ट चाहिए। मैं इतनी पावर चाहती हूँ कि अपने परिवार के लिए सब कुछ कर सकूं।

कलेक्टर: अच्छी बात है। आप कुछ सोच रहे हो। जो आप सोच रहे हो उसका सार निकले तो जो यह आपका सपना है वह तब पूरा होगा जब आप एक इंडिपेंडेंस वर्किंग वूमेन बन जाओगे। इंडिपेंडेंस वर्किंग वुमन का मतलब जब आप किसी पर निर्भर नहीं रहोगे। आप किसी पर निर्भर नहीं रहोगे। आप कुछ ऐसा काम कर रहे होंगे जो आपको सेटिस्फेक्शन भी दे रहा होगा। इससे आपको पैसा भी मिलेगा जिससे आपको समाज में इज्जत भी मिलेगी। आपके पास इतने संसाधन होंगे कि आप अपना और अपने आसपास के लोगों का कुछ भला कर पाओगे।

सफलता के मंत्र भी दिए: कलेक्टर बेनल ने छात्रों को सफलता के मंत्र भी दिए। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति स्पष्ट सोच सफलता की पहली सीढ़ी है। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई, खेल और रचनात्मक गतिविधियों के बीच संतुलन बनाने की सलाह दी। कलेक्टर ने यह भी बताया कि हर बच्चा अपनी क्षमता के अनुसार खास होता है, बस खुद पर विश्वास रखने की आवश्यकता है।

विद्यालय के शिक्षकों ने कलेक्टर की इस पहल को प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे संवाद बच्चों की सोच बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कलेक्टर की यह अनौपचारिक कक्षा छात्रों के लिए सीख और आत्मविश्वास की नई ऊर्जा लेकर आई।

नशा-मुक्ति अभियान हुआ तेज, 1 लाख से अधिक नागरिकों को दिलाई जाएगी ई-शपथ

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे नशा-मुक्ति कार्यक्रम को जिले में व्यापक जनसहभागिता के साथ क्रियान्वित किया जा रहा है। जिले को नशा-मुक्त समाज की दिशा में अग्रसर करने के उद्देश्य से आम नागरिकों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला पंचायत सीधी के अति. मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा ने बताया कि अभियान के अंतर्गत 1 लाख से अधिक नागरिकों को नशा-मुक्ति ई-शपथ दिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए सभी विभागों, संस्थाओं, शैक्षणिक परिसरों और सामाजिक संगठनों को सक्रिय रूप से जोड़ने की कार्ययोजना बनाई गई है।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ छात्र-छात्राओं तथा आम जनों को भी इस अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। मिश्रा ने बताया कि ई-शपथ के लिए सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई लिंक के माध्यम से नागरिक आसानी से शपथ ग्रहण कर सकते हैं। शपथ लेने के बाद प्रतिभागियों को स्क्रीनशॉट भी उपलब्ध कराना होगा। जिला प्रशासन ने अपील की है कि सभी नागरिक नशा-मुक्त समाज के निर्माण में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएँ तथा अधिक से अधिक संख्या में ई-शपथ लेकर इस राष्ट्रव्यापी अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

नई श्रम संहिताएं

संपादकीय

इसमें दो राय नहीं कि नई श्रम संहिताएं लागू करना देश के श्रम परिदृश्य में एक नये दौर में प्रवेश करने जैसा है। केंद्र सरकार ने चारों श्रम संहिताओं मसलन वेतन,औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा एवं कार्य स्थितियों को अधिसूचित किया है। केंद्र सरकार 29 केंद्रीय कानूनों की जगह चार संहिताओं को लाने वाले इस कदम को ऐतिहासिक सुधार के तौर पर पेश कर रही है। दावा किया जा रहा है कि इससे अनुपालन सरल बनेगा, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार होगा और ये कदम श्रमिकों की सुरक्षा को मजबूती देगा। इस पहल में कर्मचारियों को समय पर वेतन, औपचारिक नियुक्ति पत्र देने, न्यूनतम वेतन की गारंटी और वार्षिक स्वास्थ्य जांच का वायदा किया गया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि श्रम सुधारों के कई प्रावधान, लंबे समय से अपेक्षित प्रगति का संकेत देते हैं। सभी क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन का सार्वभौमिक वैधानिक अधिकार, अनिवार्य लिखित नौकरी अनुबंध, निश्चित अवधि के कर्मचारियों के लिये बेहतर ग्रेच्युटी तक पहुंच और स्वास्थ्य व सुरक्षा पर स्पष्ट मानदंड, औपचारिक प्रावधानों और पारदर्शिता की दिशा में बदलाव को रेखांकित करते हैं। निश्चित रूप से सामाजिक-सुरक्षा ढांचे के भीतर गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को मान्यता देना शायद सबसे बड़ा संरचनात्मक परिवर्तन माना जा सकता है। सही मायनों में यह बदलाव लंबे से समय से वैधानिक दायरे से बाहर रह रहे एक बड़े वर्ग को मान्यता प्रदान करता है। निश्चय ही, ये देश के लाखों कामगारों को सुरक्षा कवच प्रदान करेगा।

वहीं दूसरी ओर ये संहिताएं महिलाओं के लिये भी रोजगार की समान परिस्थितियां अनिवार्य बनाती हैं। इस प्रयास से महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी का दायरा बढ़ेगा। हालांकि, इन प्रयासों से जुड़ी कुछ जरूरी चेतावनियां भी सामने आ रही हैं। उदाहरण के लिये औद्योगिक संबंध संहिता, छंटनी और संस्थान को बंद करने के लिये सरकारी मंजूरी की सीमा को सौ कामगारों से बढ़ाकर तीन सौ कर देती है। इन नई श्रम संहिताओं के लागू होने पर उद्योग जगत जहां इस बदलाव को लचीला बताकर स्वागत कर रहा है, वहीं श्रम संगठनों को चिंता है कि इससे रोजगार की सुरक्षा कम होगी। ऐसी ही कई आशंकाओं को लेकर देश की कई केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। उनका तर्क है कि नई व्यवस्था कामगारों के सामूहिक दबाव से बातचीत की गुंजाइश को कमजोर करती है। साथ ही सत्ता का झुकाव नियोक्ताओं की ओर नजर आता है। वहीं दूसरी ओर नये प्रावधानों का क्रियान्यवन राज्यों पर निर्भर करेगा। जिन्हें इसके बाबत पूरक नियम बनाने होंगे।

कुंडली मिलान से प्री-वेडिंग काउंसलिंग तक, आधुनिक भारतीय समाज में विवाह को क्या बचाएगा?

देवेन्द्र के. बुडाकोटी

परंपरागत रूप से भारतीय विवाह तय होते थे, और उनकी वैधता का सबसे बड़ा आधार होता था लड़की और लड़के की कुंडली मिलान। लेकिन कुंडली मिलान पहला फ़िल्टर कभी नहीं था। ग्रह-नक्षत्र देखने से पहले परिवार वर्ग, जाति, जातीयता और कुल-खानदान को अपने गहरे रिश्तेदारी जाल के माध्यम से परखते थे। न निजी जासूसों की ज़रूरत थी, न वैवाहिक सेवाओं की–यह भूमिका चुपचाप कुल-पुरोहित निभा लेते थे। रिश्तेदारी ही सबसे विश्वसनीय सत्यापन प्रणाली थी।

आज, तीव्र शहरीकरण और बड़े पैमाने पर पलायन के कारण परिवार अपने मूल गाँवों और कस्बों से दूर बिखर गए हैं। पारंपरिक रिश्तेदारी नेटवर्क ढीला पड़ा है और विवाह अब वर्ग, जाति और जातीय सीमाओं से बाहर भी होने लगे हैं। जिसे हम लोकप्रिय रूप से ÷लव मैरिज÷ कहते हैं, वह सामान्य हो चुका है, फिर भी बहुत-से परिवार विवाह संस्कारों से पहले अब भी कुंडली मिलान पर टिके हुए हैं। रिश्तेदारी कमजोर होने के साथ, परिवार जीवनसाथी ढूँढने के लिए वैवाहिक सेवाओं पर निर्भर होने लगे हैं–हालाँकि वे अब भी वर्ग, जाति और जातीय संगति को देखते हैं। कुछ लोग उम्मीदवार की सत्यता जाँचने के लिए निजी जासूसों का सहारा भी लेते हैं।

बढ़ती शिक्षा, कार्यक्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी, आर्थिक स्वतंत्रता और लैंगिक भूमिकाओं के धुँधलाने ने परिवारों में नए तनाव पैदा किए हैं। पारंपरिक सास-बहू सत्ता-संतुलन की खींचतान भी बनी हुई है। भारत का तलाक़ दर अब भी दुनिया में सबसे कम है, फिर भी पारिवारिक अदालतें वर्षों से लंबित मामलों से भरी पड़ी हैं। इन्हीं परिस्थितियों में प्री-वेडिंग काउंसलिंग का चलन बढ़ा है। इसका उद्देश्य सरल पर अत्यंत महत्वपूर्ण है–अनुकूलता को समझना, अपेक्षाओं को स्पष्ट करना और उन मुद्दों पर बात करना जो आगे चलकर विवाद बन जाते हैं।

रुचियाँ, शौक और जीवन-दृष्टि पर चर्चा होती है, लेकिन साथ ही व्यावहारिक सवाल भी पूछे जाते हैं–विवाह खर्च और रस्में, उपहारों का आदान-प्रदान, विवाह के बाद बहू के नौकरी करने का प्रश्न, बच्चों का समय, माता-पिता के साथ रहने की व्यवस्था, तथा घरेलू ज़िम्मेदारियों का बँटवारा। इन पर पहले से बातचीत विवादों को बढ़ने से रोक सकती है।

भारतीय समाज अब भी इसलिए मज़बूत है क्योंकि परिवार संस्था अब भी मजबूत है। इसके विपरीत, पश्चिमी समाजों में परिवार संरचना टूटने की चर्चा होती है–जहाँ तलाक़ दर अधिक है, बच्चों में अपराध और अव्यवस्था बढ़ी है, और युवाओं में नशाखोरी व अपराध के मामले बढ़े हैं। क्या हम ऐसा सामाजिक परिवर्तन चाहते हैं?

मुझे नहीं पता कुल-पुरोहित इस पर क्या कहेंगे, पर अरेंज्ड हो या लव मैरिज–अधिकांश भारतीय अब भी कुंडली मिलाते हैं। सूर्य-चंद्र की जन्मस्थिति पर आधारित इसकी पद्धति को ÷समय-परीक्षित÷ कहा जाता है, हालाँकि नई और पुरानी दोनों पीढ़ियों में इसके प्रति संदेह है।

इसी संदर्भ में, प्री-वेडिंग काउंसलिंग के बढ़ते महत्व को देखते हुए दून विश्वविद्यालय ने देवभूमि विकास संस्थान के सहयोग से–जो उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार के वर्तमान सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत से संबद्ध है–15 नवंबर 2025 को एक संगोष्ठी आयोजित की। प्रो. एच.सी. पुरोहित ने इसे अत्यंत सुगठित रूप से संचालित किया और विषय के विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, विधि-विशेषज्ञों और संबंधित व्यक्तियों को अपने विचार रखने के लिए आमंत्रित किया।

तो आज हम पसंद-नापसंद, अपेक्षाएँ, रुचियाँ और जीवन-लक्ष्यों को देखते हैं। क्या कुंडली मिलान इस संदर्भ में असफल हो गया है? आधुनिक, नगरीकृत भारत में विवाह संस्था कब तक अक्षुण्ण रहेगी? परिवार की जड़ें यहाँ गहरी हैं, और विवाह उसी से बँधा है। आखिरकार–मेरे पास माँ है–हमारे पास अब भी परिवार है।

वैश्विक स्तरपर भारत में श्रम सुधारों को लेकर दशकों से बहस चलती रही है। 1930– 1950 के बीच बनाए गए श्रम कानूनों ने स्वतंत्र भारत के औद्योगिक विकास और श्रमिक सुरक्षा की बुनियाद रखी,लेकिन समय के साथ उद्योगों कीसंरचना तकनीक, रोजगार पैटर्न और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में व्यापक परिवर्तन आए। आज की अर्थव्यवस्था डिजिटल, वैश्विक और कौशल आधारित है, जहाँ पारंपरिक श्रम ढाँचों के आधार पर श्रम प्रबंधन न तो उद्योगों के लिए लाभकारी है और न ही श्रमिकों के हितों की रक्षा करने में सक्षम। इसी पृष्ठभूमि में भारत सरकार ने 21 नवंबर 2025 से चार नई श्रम संहिताओं–वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020,सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 औरव्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य शर्त संहिता 2020 को लागू करने की घोषणा की।

भारत के श्रम सुधारों का नया अध्याय-29 पुराने कानूनों से 4 आधुनिक श्रम संहिताओं तक- वैश्विक मानकों मज़दूर हितों और उद्योग प्रतिस्पर्धा की दिशा में ऐतिहासिक कदम

किशन सनमुखदास भावनानीं

यह निर्णय भारतीय श्रम बाजार के इतिहास में सबसे बड़े संरचनात्मक परिवर्तनों में से एक माना जा रहा है,जो न केवल घरेलू औद्योगिक माहौल बल्कि वैश्विक निवेश पर भी प्रभाव डाल सकता है। बता दे। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र नें जब इस मुद्दे का रिसर्च किया तो मुझे संगठनों और यूनियनों की प्रतिक्रिया में समर्थन और विरोध का टकराव मीडिया के माध्यम से सुनाई दे रहा है,इस सुधार पर प्रतिक्रियाएँ विभाजित हैं।जहाँ 15 प्रमुख व्यापारिक संगठनों ने इन कोडों का स्वागत किया है, उनका कहना है कि यह भारत को वैश्विक विनिर्माण और निवेश का केंद्र बनाने में मदद करेगा।तो वहीं 10 लेबर यूनियनों के संयुक्त मंच ने इस कदम को मजदूर विरोधी बताते हुए कहा है कि इससे मालिक अधिकशक्तिशाली होंगे और श्रमिकों की सौदेबाजी क्षमता घटेगी। भारतीय मजदूर संघ ने इसे सकारात्मक सुधार माना और लंबे समय से प्रतीक्षित बताया।

साथियों बात कर हम औपनिवेशिक युग के श्रम कानूनों से मुक्ति, ऐतिहासिक संदर्भ और सुधार की आवश्यकता को समझने की करें तो,भारत के श्रम कानूनों की नींव ब्रिटिश शासन के दौरान डाली गई थी, जिसका उद्देश्य उस समय की औद्योगिक परिस्थितियों को नियंत्रित करना था। इन कानूनों का मुख्य फोकस श्रमिकों पर नियंत्रण, औद्योगिक उत्पादन की निरंतरता और औपनिवेशिक शासन के हितों की रक्षा रहा, न कि श्रमिक अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा या आर्थिक विकास को प्रोत्साहन देना। स्वतंत्रता के बाद इन कानूनों में संशोधन तो हुए, लेकिन संरचनात्मक एकीकरण और सरलीकरण नहीं किया गया। परिणामस्वरूप,भारत में श्रम कानून व्यवस्थाअत्यंत जटिल, उलझी हुई और बहु- स्तरीय हो गई, जिसमें 29 अलग-अलग कानून और सैकड़ों नियम शामिल थे। इससे उद्योगों को अनुपालन की भारी लागत उठानी पड़ती थी, जबकि श्रमिकों को भी अपने अधिकारों को समझना और लागू कराना मुश्किल होता था।विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और कई आर्थिक संस्थानों ने बार-बार सुझाव दिया कि भारत को श्रम सुधारों की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए ताकि निवेश आकर्षित हो, रोजगार बढ़े और श्रमिक सुरक्षा मजबूत बने। इसी लंबे समय से महसूस की जा रही आवश्यकता को पूरा करने के लिए भारत सरकार ने पुराने कानूनों को समेकित कर चार संहिताओं का सटीक ढाँचा तैयार किया।साथियों बात अगर हम नई श्रम संहिताएँ-संरचना और उनके उद्देश्यों को समझने की करें तो, नई श्रम संहिताओं का मूल उद्देश्य श्रम कानूनों को सरल, एकीकृत और आधुनिक बनाना है, ताकि तेजी से बदलते कार्य वातावरण के अनुरूप भारत का श्रम ढाँचा लचीला और प्रभावी बन सके। इन चार संहिताओं के प्रमुख उद्देश्य हैं-(1)श्रमिकों के अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत बनाना(2)उद्योगों के लिए नियमों को सरल और पारदर्शी बनाना (3) रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करना (4) श्रम बाजार में औपचारिकता बढ़ाना (5) वैश्विक निवेश आकर्षित करना (6) कामकाजी परिस्थितियों में सुधार करना।यह कदम आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसे राष्ट्रीय आर्थिक अभियानों को समर्थन देता है, क्योंकि श्रम सुधारों को अक्सर वैश्विक निवेश और औद्योगिक विकास का महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। साथियों बात अगर हम चार श्रम संहिताओं का विस्तार- प्रत्येक कोड के महत्व को समझने की करें तो (1) वेतन संहिता 2019 -- यह संहिता वेतन से संबंधित चार अलग-अलग कानूनों को मिलाकर बनाई गई है। इसका उद्देश्य सभी श्रमिकों को समय पर और समान वेतन सुनिश्चित करना है।न्यूनतम वेतन, ओवरटाइम बोनस और वेतन भुगतान जैसे प्रावधानों को स्पष्ट और सरल बनाया गया है। इससे असंगठित और गिग वर्कर्स सहित अधिक श्रमिकों को न्यूनतम वेतन सुरक्षा के दायरे में लाया जाएगा। (2) औद्योगिक संबंध संहिता 2020-- इसका फोकस श्रमिकों और उद्योगों के बीच सामंजस्य और औद्योगिक शांति बनाए रखना है। इसमें हड़ताल, छंटनी, पुनर्नियोजन और स्थायी श्रमिकों की नियुक्ति से जुड़े प्रावधानों को सरल किया गया है। उद्योगों का तर्क है कि इससे उत्पादन स्थिर रहेगा और निवेशक विश्वास बढ़ेगा, जबकि यूनियनों का आरोप है कि इससे छंटनी आसान हो जाएगी।(3)सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020--यह संहिता भारत के श्रम इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि यह पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाती है। ईपीएफ, ईएसआई, मातृत्व लाभ, बीमा और पेंशन जैसी सुविधाओं को अधिक व्यापक और समावेशी बनाया गया है। (4) व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता 2020--इसका उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा, स्वच्छता और उचित कार्य परिस्थितियों को सुनिश्चित करना है। इसमें कार्यस्थल सुरक्षा मानकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप लाया गया है।

साथियों बात अगर कर हम 29 कानूनों के स्थान पर चार संहिताएँ = श्रमिकों को क्या लाभ? इसको समझने की करें तो,नई संहिताओं से श्रमिकों को कई प्रमुख लाभ मिल सकते हैं (1) फिक्स्ड-टर्म स्टाफ को परमानेंट लेवल के फायदे- फिक्स्ड-टर्म वाले कर्मचारी अब परमानेंट वर्कर्स जैसे फायदे पाएंगे, जैसे सोशल सिक्योरिटी, मेडिकल कवर और पेड लीव। ग्रेच्युटी पाने के लिए 5 साल की जगह एक साल का समय ही लगेगा। इससे कॉन्ट्रैक्ट मजदूरों पर ज्यादा निर्भरता कम होगी और डायरेक्ट हायरिंग को बढ़ावा मिलेगा। (2) सभी मजदूरों के लिए मिनिमम वेज और समय पर पेमेंट- हर सेक्टर के मजदूरों को नेशनल फ्लोर रेट से जुड़ी न्यूनतम वेतन मिलेगा, साथ ही समय पर पेमेंट और अन ऑथराइज्ड कटौतियां बंद होंगी।(3) महिलाओं को सभी शिफ्ट्स और जॉब रोल्स में अनुमति- महिलाएं नाइट शिफ्ट्स में और सभी कैटेगरी में उनकी मंजूरी और सेफ्टी मेजर्स के साथ काम कर सकेंगी। जैसे माइनिंग, हैवी मशीनरी और खतरनाक जगहों पर। बराबर पेमेंट जरूरी है और ग्रिवांस पैनल्स में उनकी रिप्रेजेंटेशन जरूरी। (4)बेहतर वर्किंग-आवर रूल्स और ओवरटाइम प्रोटेक्शन-ज्यादातर सेक्टर्स में काम के घंटे 8-12 घंटे प्रति दिन और 48 घंटे प्रति हफ्ते तक रहेंगे, ओवरटाइम के लिए दोगुना वेतन और जरूरी जगहों पर लिखित कंसेंट जरूरी होगा। एक्सपोर्ट्स जैसे सेक्टर्स में 180 वर्किंग डेज के बाद लीव्स एक्यूमुलेट होंगी (5) यूनिवर्सल अपॉइंटमेंट लेटर्स और फॉर्मलाइजेशन पुश- अब सभी नियोक्ताओं (एम्प्लॉयर्स) को हर मजदूर को अपॉइंटमेंट लेटर देना जरूरी होगा।इससे मजदूरों की नौकरी का रिकॉर्ड साफ रहेगा, वेतन में पारदर्शिता रहेगी और उन्हें मिलने वाले लाभों तक पहुंच आसान होगी। इस कदम से आईटी, डॉक, टैक्सटाइल जैसी इंडस्ट्री में काम करने वाले लोगों की नौकरियां अधिक फॉर्मल होंगी और सिस्टम अधिक व्यवस्थित होगा।(6) गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स कोआधिकारिक मान्यता- पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म मजदूरों को कानूनी तौर पर परिभाषित किया गया। एग्रीगेटर्स को अपनी कमाई का 1-2 प्रतिशत (पेमेंट्स का 5 प्रतिशत तक कैप्ड) वेलफेयर के लिए देना होगा और आधार से लिंक्ड पोर्टेबल फायदे हर राज्य में मिलेंगे। (7) जोखिम वाली इंडस्ट्रीज में हेल्थ चेकअप्स और सेफ्टी नियम जरूरी- खतरनाक फैक्ट्रियों, प्लांटेशन, कॉन्ट्रैक्ट लेबर और खदानों में काम करने वाले मजदूरों (जो तय संख्या से ज्यादा हैं) के लिए हर साल फ्री हेल्थ चेकअप कराना जरूरी होगा। इसके साथ ही सरकार द्वारा तय किए गए सेफ्टी और हेल्थ स्टैंडर्ड लागू करने होंगे, और बड़े संस्थानों में सेफ्टी कमेटी बनाना भी अनिवार्य होगा, ताकि मजदूरों की सुरक्षा पर लगातार नजर रखी जा सके।(8)उद्योगों में सोशल सिक्योरिटी का नेटवर्क और बड़ा- सोशल सिक्योरिटी कोड की कवरेज पूरे देश में फैल जाएगी, जिसमें एमएसएमई कर्मचारी, खतरनाक जगहों पर एक भी मजदूर, प्लेटफॉर्म वर्कर्स और वो सेक्टर शामिल हैं जो पहले ईएसआई की जरूरी स्कीम से बाहर थे।(9) डिजिटल और मीडिया वर्कर्स को आधिकारिक कवर- अब पत्रकार, फ्रीलांसर, डबिंग आर्टिस्ट और मीडिया से जुड़े लोग भी लेबर प्रोटेक्शन के दायरे में आएंगे।इसका मतलब है कि उन्हें अपॉइंटमेंट लेटर मिलेगा, उनकी सैलरी समय पर और सुरक्षित रहेगी, और उनके काम के घंटे तय और नियमबद्ध होंगे।(10) कॉन्ट्रैक्ट, माइग्रेंट और अनऑर्गनाइज्ड वर्कर्स के लिए मजबूत प्रोटेक्शन- कॉन्ट्रैक्ट और दूसरे शहरों से आए मजदूरों को अब स्थायी कर्मचारियों जितना ही वेतन, सरकारी वेलफेयर योजनाएं, और ऐसी सुविधाएं मिलेंगी जो एक जगह से दूसरी जगह जाने पर भी जारी रहेंगी। साथ ही जिस कंपनी में वे काम करते हैं, उसे उनके लिए सोशल सिक्योरिटी देना जरूरी होगा और पीने का पानी, आराम करने की जगह और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध करानी होंगी।विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र के 90 प्रतिशत से अधिक श्रमिकों के लिए यह सुधार ऐतिहासिक माने जा रहे हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आत्मनिर्भर भारत के लिए श्रम सुधारों की दिशा में ऐतिहासिक कदम-चार श्रम संहिताओं का लागू होना भारत के श्रम इतिहास का सबसे व्यापक और परिवर्तनकारी कदम है। यह सुधार न केवल कानूनों को सरल और आधुनिक बनाता है, बल्कि श्रमिकों की सुरक्षा और उद्योग प्रतिस्पर्धा दोनों को संतुलित करने का प्रयास करता है। चुनौतियाँ और आलोचनाएँ अपनी जगह हैं,लेकिन यह स्पष्ट है कि भारत का श्रम ढाँचा अब वैश्विक मानकों के अनुरूप आगे बढ़ रहा है, जो देश को अधिक मजबूत,प्रतिस्पर्धी और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर करेगा।

दुबई एयरशो में तेजस हादसा और मेक-इन-इंडिया की साख

क्रैश के बाद भी चमकेगा भारत का स्वदेशी सितारा? 21 नवंबर को दुबई वर्ल्ड सेंट्रल (अल-मक्तूम) एयरपोर्ट पर आयोजित एयर शो के दौरान भारतीय वायुसेना का स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) 'तेजस एमके-1ए' अचानक नियंत्रण खोकर नीचे गिर गया और आग के गोले में बदल गया। भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि इस दुर्घटना में पायलट की शहादत हुई है और घटना की खोज के लिए कोर्ट-ऑफ-इंक्वायरी गठित की गई है।

योगेश कुमार गोयल

दुबई एयरशो के दौरान हजारों लोग अपनी आंखें ऊपर टिकाए उस गर्वित क्षण को देख रहे थे, जब भारत का तेजस एमके-1ए देश की आकाश में अपने कौशल की झलक दिखा रहा था परंतु कुछ ही पलों में यह दृश्य एक भयावह त्रासदी में बदल गया। विमान ने अचानक अपनी स्थिरता खो दी, जैसे किसी ने उसकी धड़कन रोक दी हो और देखते-ही-देखते वह सीधे नीचे गिरता हुआ आग के विशाल गोले में परिवर्तित हो गया। धुएं का काला गुबार ऊपर उठा और पूरा एयरशो मानो स्तब्ध होकर ठहर गया। स्वदेशी इंजीनियरिंग का सबसे चमकदार प्रतीक यह वही तेजस है, जिसने पहली बार 2001 में उड़ान भरी थी और 23 वर्षों तक किसी भी दुर्घटना का शिकार नहीं हुआ। दुनिया के कई हल्के लड़ाकू विमानों में तेजस को सबसे सुरक्षित माना जाता था और आज भी उसकी श्रेणी में यह एक अत्यंत विश्वसनीय प्लेटफॉर्म है। तेजस क्रैश का यह दूसरा मामला है। पहला मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर के पास हुआ था, जिसमें पायलट सुरक्षित इजेक्ट हो गए थे। बाद की जांच में पाया गया था कि उस दुर्घटना का कारण इंजन का अचानक सीज होना था। इसके पीछे ऑयल पंप में खराबी की संभावना बताई गई थी। उस घटना के बाद पूरे एलसीए एमके-1 बेड़े की विस्तृत सुरक्षा जांच की गई और पाया गया कि विमान में कोई प्रणालीगत सुरक्षा खामी नहीं है। ऐसी स्थिति में दुबई हादसा एक बार फिर प्रश्न उठाता है कि आखिर इस विश्वसनीय प्लेटफॉर्म ने प्रदर्शन के दौरान अचानक ऐसा व्यवहार क्यों किया, जिसने पायलट को प्रतिक्रिया का भी अवसर नहीं दिया? दुबई एयरशो में विमान द्वारा किए जा रहे मैन्यूवर्स के दौरान जो दृश्य सामने आए, उन्होंने विशेषज्ञों के बीच कई सवाल पैदा किए हैं। विमान तेज गति से एक मोड़ ले रहा था और सामान्यतः ऐसी परिस्थितियों में तेजस जैसे आधुनिक चौथी पीढ़ी के विमान स्थिर रहते हैं परंतु पलभर में ही उसका नियंत्रित ग्लाइड अचानक एक फ्री-फॉल में तब्दील हो गया। विमान के नीचे आते ही कुछ ही सैकेंड में वह पूरी तरह आग में घिर गया। ऐसे में सवाल यही है कि क्या तेजस में कोई ऐसी खामी थी, जो वह दुर्घटनाग्रस्त हुआ। क्या उसकी उड़ान से पहले फिट होने की सही तरह से जांच नहीं की गई थी? न केवल देश बल्कि दुनिया के सामने यह सामने आना जरूरी है कि आखिर तेजस एकाएक हवा से सीधा जमीन पर क्यों आ गिरा क्योंकि इसे पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, या तो विमान को अचानक पावर लॉस हुआ या किसी महत्वपूर्ण नियंत्रण प्रणाली ने काम करना बंद कर दिया। यह भी संभव है कि अत्यधिक तेज कोण (एंगल ऑफ अटैक) में मोड़ लेते हुए विमान एरोडायनामिक स्टॉल का शिकार हो गया हो परंतु अनुभवी टेस्ट पायलट ऐसे मैन्यूवर के दौरान सामान्यतः नियंत्रण नहीं खोते। इसलिए जांच की दिशा स्वाभाविक रूप से किसी तकनीकी विफलता, इंजन व्यवहार, नियंत्रण प्रणाली या अचानक हुई किसी यांत्रिक टूट-फूट की तरफ जाएंगी। तेजस एमके-1ए को भारत का सबसे आधुनिक, हल्का और अत्याधुनिक तकनीक वाला लड़ाकू विमान माना जाता है। यह सुपरसोनिक गति से उड़ान भर सकता है, बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइलें दाग सकता है और एक साथ कई लक्ष्यों को भेद सकता है। इसका ढ़ांचा टाइटेनियम, एल्युमिनियम-लिथियम मिश्रधातुओं और कार्बन फाइबर कंपोजिट से बना है, जिससे यह बेहद हल्का और मजबूत बनता है। यह हल्का वजन ही इसे असाधारण फुर्ती प्रदान करता है। तेजस की रेंज, पेलोड और युद्धक क्षमता इसे एशिया और अफ्रीका के कई देशों में आकर्षण का केंद्र बनाती हैं। मलेशिया, तुर्कमेनिस्तान, इजिप्ट, यूएई, श्रीलंका और सिंगापुर जैसे देश इसमें रुचि दिखा रहे हैं। इसीलिए दुबई एयरशो में तेजस की उपस्थिति भारत के लिए केवल तकनीक का प्रदर्शन नहीं थी बल्कि यह एक अंतर्राष्ट्रीय मंच था, जहां भारत अपनी रक्षा विनिर्माण क्षमता का भरोसेमंद चेहरा पेश कर रहा था। ऐसे में तेजस का प्रदर्शनी के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होना स्वाभाविक रूप से भारत की निर्यात संभावनाओं के लिए चिंता का विषय है। हालांकि रक्षा विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि एक अकेली दुर्घटना किसी विमान की छवि को स्थायी रूप से धूमिल नहीं करती, बशर्ते जांच पारदर्शी, तेज और गहन हो। एफ-16, मिग-29, राफेल, ग्रिपेन इत्यादि दुनिया के लगभग सभी प्रसिद्ध युद्धक विमानों की शुरुआती वर्षों में दुर्घटनाएं हुई थी लेकिन समय के साथ वे दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्लेटफॉर्म बने। अतः तेजस के लिए भी यह निर्णायक परीक्षा का समय है। तेजस भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी लड़ाकू विमान है, हालांकि इसका इंजन अमेरिकी कंपनी जीई से आता है। भारत और जीई के बीच 2021 और 2023 में हुए समझौतों के तहत एमके-1ए और एमके-2 कार्यक्रम के लिए इंजन की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इंजनों पर आंशिक निर्भरता के बावजूद तेजस की बाकी प्रणाली(डिजाइन, ढ़ांचा, एवीओनिक्स, राडार) भारत द्वारा विकसित की गई हैं। तेजस को भारतीय वायुसेना में 2016 में शामिल किया गया था और तब से इसकी दो स्क्वाड्रन सेवा में हैं। एमके-1ए संस्करण, जो कि दुर्घटनाग्रस्त विमान का मॉडल था, तेजस परिवार का सबसे उन्नत संस्करण माना जाता है। इसके लिए 2021 में भारत सरकार ने एचएएल को 48,000 करोड़ रुपये का बड़ा अनुबंध दिया था और हाल ही में इसकी 97 और इकाईयों के लिए लगभग 62,000 करोड़ रुपये का नया समझौता हुआ था। इसका मतलब है कि भारत आगामी वर्षों में तेजस को अपनी वायुसेना का मुख्य लाइट-फाइटर प्लेटफॉर्म बनाने की दिशा में बढ़ चुका है। ऐसे समय में दुबई जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में हुआ यह क्रैश सार्वजनिक विमर्श में कई प्रश्न छोड़ गया है। क्या यह तकनीकी खामी थी? क्या प्रदर्शन की परिस्थितियां अनुकूल नहीं थी? क्या किसी बाहरी तत्व ने विमान के व्यवहार को प्रभावित किया? क्या पूर्व क्रैश से सीखी गई तकनीकी सीखों को एमके-1ए में पर्याप्त रूप से शामिल किया गया था? इस घटना का एक और भावनात्मक पक्ष है, पायलट की शहादत। एक टेस्ट पायलट उच्च-जोखिम वाले वातावरण में उड़ान भरता है। वे केवल उड़ान नहीं भरते बल्कि हर उड़ान में विमान, उसकी प्रणालियों और उसकी हर क्षमता का परीक्षण करते हैं। इसीलिए उन्हें एयरोनॉटिक्स का अग्रदूत माना जाता है। इस हादसे के बीच यह तथ्य नहीं भुलाया जा सकता कि तेजस अब भी भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता, सामरिक क्षमता और रक्षा-विकास की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस दुर्घटना से तेजस का भविष्य खत्म नहीं होता बल्कि यह उसके विकास की गति को और तर्कसंगत, वैज्ञानिक और मजबूत बनाने का अवसर बन सकता है। कई देशों में एक दुर्घटना के बाद विमान को और अधिक बेहतर बनाया गया है। बहरहाल, जांच के निष्कर्षों के आधार पर यदि एचएएल और वायुसेना तेजी से सुधार लागू करते हैं तो यह तेजस की विश्वसनीयता को और बढ़ा सकता है।

कलेक्टर ने ली विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों की बैठक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पंजीकृत राजनीतिक दलों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी. राहुल वेंकट ने की, जबकि अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी अनिल कुमार सिदार ने संचालन एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। बैठक में 01 जनवरी 2026 की संदर्भ तिथि पर आधारित विशेष पुनरीक्षण की प्रगति से सभी प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया तथा राजनीतिक दलों से आग्रह किया गया कि वे शीघ्र बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की नियुक्ति कर सूची उपलब्ध कराएं, ताकि पुनरीक्षण कार्य सुचारू रूप से आगे बढ़ सके।

आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष ने कॉलरी क्षेत्र से जुड़े गंभीर मुद्दे उठाते हुए बताया कि कई मतदाता 2-3 घरों को कैप्चर किए हुए हैं, जिससे फार्म वितरण बाधित हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कई नाम ऐसे मतदाताओं के हैं जो अब निवासरत नहीं हैं या निधन हो चुका है, फिर भी उनके नाम पर फॉर्म जारी हुए हैं। वहीं कांग्रेस के पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि कुछ मतदाता ऐसे हैं जो बिहार में पंजीकृत हैं, फिर भी स्थानीय एसआईआर में जोड़ने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत कर रहे हैं। इस पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जो मतदाता वास्तविक रूप से निवासरत नहीं हैं, उन्हें सूची से पृथक करना आवश्यक है, क्योंकि ऐसे नामों के कारण मतदान प्रतिशत प्रभावित होता है। उन्होंने राजनीतिक दलों से ऐसे मतदाताओं की पहचान कर सूची उपलब्ध कराने को कहा।

कलेक्टर ने सभी बूथ लेवल एजेंटों को बीएलओ के साथ समन्वय कर फार्म कलेक्शन और सत्यापन कार्य में सहयोग करने के निर्देश दिए। नगरीय एवं कॉलरी क्षेत्र में मतदाता सत्यापन हेतु ई.आर.ओ/कमिश्नर और आयुक्त को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बूथ वाइज भ्रमण करने निर्देशित किया गया। बैठक में यह मुद्दा भी सामने आया कि कुछ बीएलओ द्वारा फॉर्म 6 लेने से मना किया जा रहा है, जिस पर स्पष्ट किया गया कि कोई भी बीएलओ फॉर्म स्वीकार करने से मना नहीं करेगा। 01 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष पूर्ण करने वाले युवाओं के एडवांस फॉर्म भी लिए जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधियों ने बताया कि कई स्थानों पर एक ही नाम विभिन्न सूचियों में प्रदर्शित हो रहा है, जिससे सत्यापन में कठिनाई उत्पन्न होती है। इस पर अधिकारियों ने सुझाव दिया कि प्रत्येक मतदाता के नाम का सत्यापन बीएलए के माध्यम से किया जाए, ताकि त्रुटियों का शीघ्र निदान हो सके।

बैठक में भाजपा से रमेश यादव और आशीष सिंह, कांग्रेस से स्वप्निल सिन्हा, राज कुमार केसरवानी और संतोष लाल, आम आदमी पार्टी से विकास पाण्डेय, संदीप यादव और कासिम उमर, बहुजन समाज पार्टी से भुनेश्वर प्रसाद और विजय कुमार रवि उपस्थित रहे। इसके अलावा एसडीएम लिंगराज सिदार, उपेन्द्र कुमार, सतीश द्विवेदी सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद थे। बैठक का समापन निर्वाचन नामावली को अधिक पारदर्शी, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के संकल्प के साथ किया गया।

चलती बारात रोककर पुलिस ने धुमाल जब्त किया, नाराज बाराती थाना पहुंचे

व्यापारी बोले- परिवार की प्रतिष्ठा उनके रिश्तेदारों के सामने धूमिल हुई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में पुलिस ने एक चलती बारात को रोककर धमाल गाड़ी जब्त कर ली। इस कार्रवाई से नाराज बाराती और शहर के व्यापारी सिटी कोतवाली पहुंचे, जहां उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया। आखिरकार, लोगों के दबाव में पुलिस को धमाल सिस्टम छोड़ना पड़ा। मामला मनेंद्रगढ़ सिटी कोतवाली थाने का है। यहां 23 नवंबर को अर्पित जैन की बारात धमाल पार्टी के साथ उनके घर से होटल जा रही थी। बारात जैसे ही पीडब्ल्यूडी चौक के पास पहुंची, पुलिस ने उसे रोक दिया और धमाल सिस्टम सहित गाड़ी जब्त कर थाने ले आई। चलती बारात में पुलिस की इस कार्रवाई का चैंबर ऑफ कॉमर्स ने निंदा की है। उनका कहना है कि इस कार्रवाई से एक प्रतिष्ठित व्यापारी की प्रतिष्ठा उनके रिश्तेदारों के सामने धूमिल हुई है।

थाने पहुंचकर बारातियों ने नाराजगी जताई: पुलिस की इस कार्रवाई की जानकारी मिलने पर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज जैन सहित शहर के कई व्यापारी और बाराती सिटी कोतवाली पहुंचे। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और काफी देर तक पुलिस अधिकारियों से बहस की।

चलती बारात रोककर कार्रवाई को बताया गलत: व्यापारियों ने कहा कि मनेन्द्रगढ़ के इतिहास में पहली बार किसी चलती बारात को रोककर इस तरह की कार्रवाई की गई है, जो निंदनीय है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि पुलिस को कोलाहल अधिनियम के तहत कार्रवाई करनी ही थी, तो बारात के होटल पहुंचने के बाद भी ऐसा किया जा सकता था। इस कार्रवाई से एक प्रतिष्ठित व्यापारी की प्रतिष्ठा उनके रिश्तेदारों के सामने धूमिल हुई है। इस पूरे मामले पर जब थाना प्रभारी मनीष तिवारी से जानकारी मांगी गई, तो उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक सवारों को रौंदा, 1 युवक की मौत, 1 गंभीर

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के देहात थाना क्षेत्र में झांसी-शिवपुरी लिंक रोड पर रविवार शाम कोटा भगोरा गांव के पास एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार (एमपी33सी3759) ने सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बाइक और उस पर सवार तीनों युवकों को अपने साथ घसीटती हुई आगे बढ़ गई।

हादसे में रघुराज आदिवासी (25), निवासी कोयला कॉलोनी, थाना सुरवाया, की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, नारई गांव, थाना अमोला निवासी रतिराम आदिवासी (35) को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। तीसरे घायल युवक रामहेत आदिवासी (35) का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

पुलिस के अनुसार, स्कॉर्पियो कार झांसी से शिवपुरी की दिशा में आ रही थी। हादसे के बाद कार चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने स्कॉर्पियो कार (एमपी33सी3759) जब्त कर ली है।

दिव्यांग छात्रों के लिए ऑटो की व्यवस्था, 'आम नागरिक मंच' ने की शुरुआत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में दिव्यांग छात्रों के लिए आवागमन की सुविधा शुरू की गई है। 'आम नागरिक मंच सेवा समिति' ने नगर के गणमान्य नागरिकों के सहयोग से दिव्यांग विद्यालय के छात्रों के लिए ऑटो की व्यवस्था की है। यह ऑटो छात्रों को विवेकानंद महाविद्यालय और बॉयज हाईस्कूल तक आने-जाने में मदद करेगा।

आमाखेरवा स्थित यह दिव्यांग विद्यालय साल 1997 से संचालित है, लेकिन पिछले 28 सालों से छात्रों के लिए आवागमन की कोई सुविधा नहीं थी। विद्यालय के प्राचार्य संतोष चढोकर ने बताया कि छात्रों को हाईस्कूल और महाविद्यालय तक आने-जाने में काफी परेशानी होती थी।

उन्हें नेशनल हाईवे पर छड़ी के सहारे और एक-दूसरे का हाथ पकड़कर चलना पड़ता था, जिससे हादसे की आशंका बनी रहती थी। बरसात के मौसम में कई बार छात्र शिक्षा से वंचित रह जाते थे। उन्होंने बताया कि इस समस्या के समाधान के लिए शासन-प्रशासन से कई बार वाहन की मांग की गई थी, लेकिन उनकी मांग पूरी नहीं हो पाई थी।

हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया: 'आम नागरिक मंच' के सदस्य अजय जायसवाल ने बताया कि छात्रों की परेशानियों को देखते हुए नगर के गणमान्य नागरिकों के सहयोग से यह व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि जब तक शहर के लोगों का सहयोग मिलता रहेगा, यह सेवा जारी रहेगी। कार्यक्रम में सबसे पहले छात्रों को तिलक लगाकर मिष्ठान खिलाया गया। इसके बाद नगर पालिका अध्यक्ष व मौजूद लोगों ने हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान शहर गणमान्य नागरिक मौजूद रहे ।

'आम नागरिक मंच सेवा समिति' की इस पहल की शुरुआत विधिवत रूप से की गई। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव, चेम्बर के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज जैन, डॉक्टर रश्मि सोनकर, पार्षद अजय जायसवाल, स्वप्निल सिन्हा और एसडीएम लिंगराज सिदार सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन एवं अंतर्विभागीय विषयों की समीक्षा कर दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी ने आज जिला मुख्यालय स्थित सभाकक्ष में आयोजित अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक में विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी जिम्मेदारी और प्रोफेशनल भावना के साथ कार्य करें। शिकायतों के समयबद्ध और संतोषजनक निराकरण किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

कलेक्टर चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाए तथा हर शिकायत का समाधान सुनिश्चित हो। उन्होंने पीएचई, ऊर्जा, ट्राइबल, सहकारिता, परिवहन एवं खाद्य विभागों को विशेष रूप से निर्देशित किया कि सभी लंबित शिकायतों का तत्परता से निराकरण करें। कृषि विभाग को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि यदि खाद से संबंधित शिकायतें प्राप्त होती हैं तो किसानों को तत्काल आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए। किसानों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति वर्ग के किसानों को नवाचार के रूप में कलौंजी और चिया सीड वितरित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस योजना में किसानों के हितग्राही प्रकरण शीघ्र तैयार कर बैंक से स्वीकृत कराए जाएँ और लाभार्थियों को इन फसलों से जुड़ी जानकारी भी दी जाए ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

भाजपा जिला कार्यालय में रणनीतिक बैठक, 27 नवंबर के भूमिपूजन को लेकर तैयारियां तेज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भाजपा जिला कार्यालय मनेंद्रगढ़ में आज एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष, प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित जिलेभर के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 27 नवंबर को होने वाले भाजपा जिला कार्यालय के भूमिपूजन कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा और उसकी रूपरेखा को अंतिम स्वरूप देना था।

स्वास्थ्य मंत्री ने बैठक के दौरान तैयारियों का विस्तृत जायज़ा लिया और आयोजन को ऐतिहासिक एवं भव्य बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नया जिला कार्यालय भाजपा के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा और कार्यकर्ताओं के लिए ऊर्जा एवं प्रेरणा का केंद्र बनेगा।

बैठक में जानकारी दी गई कि भूमिपूजन कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, तथा राज्य सरकार के चार मंत्री शामिल होने की संभावना है। इतने उच्चस्तरीय नेतृत्व की उपस्थिति को लेकर कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। जिलाध्यक्ष ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है, जो व्यवस्था, स्वागत, आवागमन, मीडिया समन्वय और जनसंपर्क जैसे दायित्वों का संचालन कर रही हैं। मंत्री ने सभी समितियों को समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

कार्यकर्ताओं ने बैठक में यह विश्वास जताया कि भूमिपूजन समारोह भाजपा के जिले में आगामी संगठनात्मक विस्तार और मजबूती की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और 27 नवंबर को जिले में बड़ा राजनीतिक आयोजन देखने की उम्मीद है। इस दौरान नगर पालिक निगम चिरमिरी महापौर राम नरेश राय सहित जिला भाजपा के पदाधिकारी राजकुमार बधावन, संजय राय, आशीष सिंह, रामलाल सिंह, सरोज यादव, प्रतिमा पटवा, आशीष मजूमदार, वीरेंद्र सिंह राणा, गौरी सिंह, पवन शुक्ला, जमुना पांडेय, हीरालाल यादव, रीत जैन, धर्मेंद्र त्रिपाठी मौजूद रहे।

कोलारस मंडी में सुविधाओं का अभाव, किसानों ने वीडियो किया वायरल

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले की कोलारस अनाज मंडी में मूलभूत सुविधाओं के अभाव को लेकर किसानों ने गहरी नाराजगी व्यक्त की है। किसानों ने शौचालय और पीने के पानी की उचित व्यवस्था न होने पर एक वीडियो वायरल कर मंडी प्रबंधन की घोर लापरवाही उजागर की है। किसानों का आरोप है कि मंडी में शौचालय तो बने हैं, लेकिन उनमें पानी उपलब्ध नहीं है, जिससे अत्यधिक गंदगी फैली हुई है। इसके अलावा, पीने के पानी की भी कोई उचित व्यवस्था नहीं है, जिससे उन्हें और उनके परिवारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन दिनों मंडी में मक्का और सोयाबीन की आवक लगातार बढ़ रही है, जहां प्रतिदिन 700 से 1000 ट्रॉली तक किसान अपनी उपज लेकर पहुंच रहे हैं। भीड़ के कारण किसानों को कई बार सुबह 4 बजे से ही मंडी आना पड़ता है, और अधिक आवक होने पर उन्हें पूरे दिन और रात वहीं रुकना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में शौचालय और पीने के पानी की सुविधा किसानों के लिए अत्यंत आवश्यक हो जाती है, मगर किसानों द्वारा बनाए गए वीडियो में शौचालयों में गंदगी और पानी की कमी साफ तौर पर दिखाई देती है। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि सुविधाओं में सुधार की बातें कई वर्षों से हो रही हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। दूसरी ओर, इस मामले में कोलारस अनाज मंडी सचिव रियाज खान से संपर्क किया गया, जिन्होंने किसानों के आरोपों का खंडन किया है। सचिव ने दावा किया कि मंडी में शौचालयों में पानी और पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था है और उन्होंने अपनी बात के समर्थन में शौचालयों की वर्तमान स्थिति दिखाते हुए एक वीडियो भी भेजा है।

3100 रुपये समर्थन मूल्य से मजबूत हुई किसानों की अर्थव्यवस्था, गुरपत कुमार बने मिसाल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के मनेंद्रगढ़ ब्लॉक के चैनपुर उपार्जन केंद्र में इस वर्ष समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत ने किसानों के बीच उत्साह और विश्वास का नया माहौल तैयार किया है। सुव्यवस्थित व्यवस्था, पारदर्शी प्रक्रिया और किसान हितैषी नीतियों के कारण किसानों के चेहरों पर स्पष्ट रूप से संतोष झलक रहा है। इसी सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक बने हैं भलौर के प्रगतिशील किसान गुरपत कुमार, जिनका अनुभव इस खरीदी प्रणाली की वास्तविक सफलता को दर्शाता है।

सुव्यवस्थित धान खरीदी ने बढ़ाया विश्वास: गुरपत कुमार आज अपने 100 क्विंटल धान के साथ चैनपुर उपार्जन केंद्र पहुँचे। जैसे ही उन्होंने खरीदी प्रक्रिया शुरू की, यह स्पष्ट हुआ कि इस वर्ष मंडी संचालन में उल्लेखनीय सुधार किए गए हैं। मंडी में प्रवेश से लेकर तौल-कांटा तक की पूरी प्रक्रिया तेज, साफ-सुथरी और व्यवस्थित रही। पर्याप्त बारदाना, सटीक तौल, कर्मचारियों का सहयोगी रवैया इन सब ने किसानों के मन में यह भरोसा मजबूत किया कि शासन की नीतियाँ अब जमीन पर सही तरीके से लागू हो रही हैं।

सुविधाओं से सजा उपार्जन केंद्र बना भरोसे का आधार: इस वर्ष उपार्जन केंद्र को विशेष रूप से किसान सुविधाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया। स्वच्छ पेयजल, छाया में बैठने की व्यवस्था, भीड़ और अव्यवस्था पर नियंत्रण, इन सुविधाओं ने किसानों की थकान और चिंता दोनों कम की हैं। कतारें पहले की तुलना में छोटी थी और हर किसान को उसके क्रम के अनुसार आसानी से सेवा मिल रही थी। गुरपत कुमार ने खुशी से कहा, 'इस बार की खरीदी व्यवस्था किसानों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। हम आराम से आकर धान बेच रहे हैं। देरी, भीड़, अव्यवस्था-सब खत्म हो गई है।'

3100 रुपये समर्थन मूल्य से बढ़ी आर्थिक मजबूती: राज्य सरकार द्वारा घोषित 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य ने किसानों की आर्थिक स्थिति को नई मजबूती दी है। 100 क्विंटल धान बेचने पर गुरपत को लगभग 3,10,000 रुपये प्राप्त होने का अनुमान है। यह राशि- परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने, कृषि उपकरण खरीदने, अगली फसल के निवेश, और आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण योगदान देगी। गुरपत कहते हैं- समर्थन मूल्य ने किसानों के मन में उत्साह जगाया है। हमारी मेहनत का सही मूल्य मिलना ही हमारे लिए सबसे बड़ी राहत है।

केल्हारी सेजस स्कूल में बाल अधिकार सप्ताह का प्रेरणादायी आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। केल्हारी सेजस स्कूल में बाल अधिकार सप्ताह का आयोजन उत्साह, रचनात्मकता और सामाजिक जागरूकता के साथ सम्पन्न हुआ। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और बालिकाओं में आत्मविश्वास, सुरक्षा भावना एवं नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की थीम बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ रही, जिसने बालिकाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान किया और विद्यालय में सकारात्मक व प्रेरणादायी माहौल निर्मित किया।

रचनात्मक गतिविधियों में दिखी बालिकाओं की प्रतिभा: कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एन.एस.एस और एन,सी.सी द्वारा प्रस्तुत संयुक्त नाट्य प्रस्तुति रही, जिसमें बाल संरक्षण, भेदभाव, शिक्षा के अधिकार तथा सुरक्षित वातावरण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रभावशाली तरीके से दर्शाया गया। चित्रकला, पोस्टर निर्माण और कहानी लेखन गतिविधियों में बालिकाओं ने खुशहाल बचपन-सुरक्षित बचपन विषय पर अपनी संवेदनशीलता और सामाजिक समझ का बेहतरीन प्रदर्शन किया। यदि मैं पिता या माता होती विषय पर लिखी गई रचनाओं ने बच्चों की परिपक्व सोच और जिम्मेदारी के गहरे भाव को दर्शाया। वहीं मेरे सपनों का भविष्य विषय पर लिखी कहानियों में आत्मनिर्भर भारत, समान अवसरों और उज्जवल भविष्य की स्पष्ट झलक दिखाई दी।

विशेष अतिथियों का मार्गदर्शन और प्रतिभागियों को सम्मान: कार्यक्रम के सफल संचालन में जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मिशन शक्ति विभाग की वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ अनीता कुमारी

शाह, सखी वन स्टॉप सेंटर की काउंसलर अमीषा कुशवाहा तथा विधिक सेवा प्राधिकरण की अंजनी यादव ने छात्राओं को प्रेरक मार्गदर्शन प्रदान किया। निर्णायक मंडल द्वारा सर्वश्रेष्ठ कहानियों और प्रस्तुतियों का चयन कर छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के प्रिंसिपल आर.सी. नामदेव और शिक्षकों ने बच्चों की रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जागरूकता की सराहना की। कार्यक्रम का समापन सभी बालिकाओं को नाश्ता वितरण के साथ हुआ। यह आयोजन बालिकाओं में अधिकार, सुरक्षा और सम्मान की भावना को सुदृढ़ बनाते हुए विद्यालय परिसर में अविस्मरणीय अनुभव छोड़ गया।

ग्राम जोलगी में बिना अनुमति कटे साल वृक्ष जब्त, भूमि स्वामी पर 1.25 लाख रुपये का अर्थदंड प्रस्तावित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भरतपुर विकासखण्ड के ग्राम जोलगी में बिना अनुमति पाँच (05) नग साल के वृक्षों की कटाई किए जाने की सूचना प्राप्त होने पर राजस्व विभाग तुरंत सक्रिय हुआ। सूचना मिलते ही संबंधित राजस्व अधिकारी स्थल निरीक्षण हेतु पहुँचे और अवैध रूप से कटे वर्ष वृक्षों को मौके पर ही जब्त कर लिया गया। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि बिना किसी वैध अनुमति के इन वृक्षों की कटाई ग्राम जोलगी के निवासी सम्हारु राम पिता सिरपत द्वारा कराई गई थी। इस अवैध कटाई को गंभीरता से लेते हुए उनके विरुद्ध एसडीएम न्यायालय, भरतपुर में प्रकरण दर्ज किया गया है।

प्रशासनिक कार्रवाई के तहत भूमि स्वामी सम्हारु राम पर 1,25,000 (एक लाख पच्चीस हजार रुपये) का अर्थदंड प्रस्तावित है। साथ ही, कटे हुए वृक्षों को राजसात (सरकारी स्वामित्व में शामिल) करने की कार्रवाई भी प्रारंभ कर दी गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पर्यावरण संरक्षण एवं वन संपदा की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अवैध कटाई के मामलों में कठोर कार्रवाई जारी रहेगी तथा बिना अनुमति वृक्ष कटाई करने वालों के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कदम उठाए जाते रहेंगे।

शादी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली दुल्हन-दलाल गिरफ्तार, 1.30 लाख रुपए लेकर भागे थे

गैंग के दो सदस्यों की तलाश कर रही पुलिस

सागर, एजेंसी। सागर के बहेरिया थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर लोगों से पैसे ठगने वाली महिला और उसके साथी दलाल को गिरफ्तार किया है। दोनों को थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। मामला तब सामने आया जब ग्राम मझगुवां निवासी पुष्पेंद्र घोषी ने पुलिस से शिकायत की कि नैनू नाम की महिला और उसके साथियों ने शादी कराने के नाम पर उससे 1.30 लाख रुपये ले लिए और बाद में फरार हो गए।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू की: पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू की और आरोपियों की मोबाइल लोकेशन ट्रेस की। लोकेशन जबलपुर मिली तो पुलिस टीम ने वहाँ दबिश देकर आरोपी अमृता उर्फ नैनू उर्फ नेहा और उसके साथी महेश रजक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। पूछताछ के दौरान दोनों ने ठगी की बात कबूल करते हुए बताया कि वे गैंग बनाकर शादी के नाम पर लोगों को धोखा देते हैं।

पुलिस गैंग की तलाश में जुटी: आरोपियों ने पुलिस को यह भी बताया कि उनकी गैंग में एक महिला और एक पुरुष और शामिल हैं, जो अब भी फरार हैं। पुलिस इन दोनों की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है ताकि पूरी गैंग को पकड़ा जा सके। पुलिस का कहना है कि यह गिरोह कई लोगों को निशाना बना चुका है। बहेरिया थाना प्रभारी गजेन्द्र जौहरिया ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान उनसे अन्य मामलों और गैंग की गतिविधियों को लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ से और भी महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

नर्मदापुरम में 24 घंटे में 2 डिग्री बढ़ा पारा

पचमढ़ी में भी 5.6 से 10.6 डिग्री पहुंचा तापमान

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम में रविवार को मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। बीते 24 घंटे में ही पचमढ़ी में रात के न्यूनतम तापमान में 5 डिग्री तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे लोगों को कड़ाके की ठंड से राहत मिली है। मौसम में यह बदलाव बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र और अरब सागर से आ रही नमी के कारण हुआ है। फिलहाल आसमान में हल्के बादल छाए हुए हैं और हवाओं का रुख भी बदल गया है। सोमवार को रात का न्यूनतम तापमान नर्मदापुरम में 17.3 डिग्री और पचमढ़ी में 10.6 डिग्री दर्ज हुआ। जबकि एक दिन पहले 23 नवंबर को रात का तापमान नर्मदापुरम में 15.3 डिग्री और पचमढ़ी में 5.6 डिग्री था। यानी 24 घंटे में पचमढ़ी में 5 डिग्री और नर्मदापुरम में 2 डिग्री तापमान बढ़ा है।

हवाओं का रुख बदला, उत्तरी से पूर्वी हुई: मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, एक सप्ताह पहले तक हवाएं उत्तरी दिशा से आ रही थीं, जिसके कारण रात का तापमान गिर रहा था और दिन में भी ठंड का प्रभाव बना हुआ था। लेकिन पिछले एक सप्ताह से हवाओं का रुख पूर्वी हो गया है। इसके चलते ठंड का प्रभाव कम हुआ है और रात के तापमान में बढ़त दर्ज की गई है।

मौसम वैज्ञानिक बोले- एक सप्ताह तक छाए रहेंगे बादल: मौसमविद प्रमेंद्र कुमार ने बताया कि मलक्का से बंगाल की खाड़ी की ओर एक कम दबाव का क्षेत्र बना है। साथ ही अरब सागर की ओर से आ रही नमी के कारण प्रदेश के कुछ हिस्सों सहित नर्मदापुरम में बादल छाए हैं। मौसम की यह स्थिति अगले एक सप्ताह तक बनी रह सकती है। मौसमविद ने बताया कि हालांकि इस दौरान बारिश की स्थि तियां नहीं बनेंगी, लेकिन रात का तापमान 1 से 2 डिग्री और बढ़ सकता है।

छतरपुर अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट के पास आग

अगरबत्ती से लगी, अग्निशमन यंत्रों से काबू पाया, कोई जनहानि नहीं

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर जिला अस्पताल के लेबर रूम में रविवार-सोमवार की देर रात आग लग गई। यह आग ऑक्सीजन प्लांट के पास अगरबत्ती से लगी बताई जा रही है। अस्पताल स्टाफ ने तुरंत अग्निशमन यंत्रों का उपयोग कर आग पर काबू पा लिया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने के बाद लेबर रूम और सूत वार्ड में धुआं भर गया, जिससे मरीजों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, मौके पर मौजूद डॉक्टरों और अन्य स्टाफ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्थिति को संभाला और आग को फैलने से रोका।

सिविल सर्जन शरद चौरसिया ने बताया कि लेबर रूम में मामूली आग लगी थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, किसी ने ऑक्सीजन प्लांट के पास अगरबत्ती जलाई थी, जिससे यह घटना हुई। उन्होंने पुष्टि की कि आग पर तुरंत काबू पा लिया गया और कोई नुकसान या जनहानि नहीं हुई। अगरबत्ती जलाने वाले व्यक्ति की पहचान की जा रही है।

घटना के बाद अस्पताल प्रशासन अलर्ट मोड पर है। पूरे लेबर रूम परिसर में विद्युत व्यवस्था की गहन जांच की जा रही है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। इससे पहले, बैतूल जिला अस्पताल की भोजशाला के पास स्थित स्टोर रूम में भी रविवार सुबह शॉर्ट सर्किट से आग लग गई थी।

रतलाम में रिटायर्ड शिक्षिका की गला रेतकर हत्या

बाथरूम में मिली गर्दन कटी लाश

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में 70 वर्षीय रिटायर्ड शिक्षिका की बेरहमी से हत्या कर दी गई। सोमवार सुबह खून से लथपथ उनका शव घर के बाथरूम में मिला। आशंका जताई जा रही है कि लूटपाट या चोरी की नीयत से वारदात को अंजाम दिया गया है। घटना औद्योगिक थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुरा मीराकुटी इलाके की है। मृतका की पहचान सरला धनेटवाल के रूप में हुई है। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, सरला धनेटवाल के पति का पहले ही निधन हो चुका। वह अपने घर में अकेली रहती थीं। उन्हें सोमवार सुबह अपने रिश्तेदारों के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए उज्जैन जाना था।

फोन बंद आने पर हुआ खुलासा: सुबह उनके भाई राजेंद्र जायसवाल ने उन्हें फोन किया तो फोन बंद आया। इस पर सरला की भाभी ललिता उन्हें देखने के लिए घर पहुंची, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उनके देवर पहुंचे। उन्होंने देखा कि घर का सामान बिखरा हुआ था। अंदर बाथरूम में दीवार के सहारे उनकी लाश मिली। उनका गला रेता हुआ था। भाई राजेंद्र जायसवाल, जो शादी के लिए निकल चुके थे, खबर मिलते ही तुरंत वापस लौटे। शव मिलने की सूचना पर आस-पड़ोस के लोग और बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई।

एसपी ने SIT का गठन किया: घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अमित कुमार, फॉरेंसिक अधिकारी अतुल मित्तल, सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया समेत चारों थानों के प्रभारी और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। एसपी अमित कुमार ने घटनास्थल का मुआयना किया। एसपी ने मामले की गहन और त्वरित जांच के लिए विशेष जांच दल (SIT) का गठन कर दिया है।

पीछे के रास्ते से घुसने की आशंका: पुलिस आशंका जता रही है कि बदमाश चोरी और लूटपाट के इरादे से संभवतः घर के पीछे के रास्ते से अंदर घुसे होंगे। विरोध करने पर सरला धनेटवाल की गला रेतकर हत्या कर दी। हालांकि, पुलिस किसी परिचित व्यक्ति के द्वारा हत्या किए जाने की आशंका को भी ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। अपराधियों की तलाश में इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। एसपी अमित कुमार ने बताया कि सारे तथ्यों को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है, और जल्द ही आरोपी को पकड़ा जाएगा।

नजीराबाद में कांग्रेस नेता के भाई को बंधक बनाकर पीटा

स्थानीय लोगों ने आरोपी की कार तोड़ी

सतना, एजेंसी। सतना के नजीराबाद इलाके में शनिवार देर रात एक युवक को अपहरण कर घर में बंधक बना लिया गया। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट भी की। मिली जानकारी के अनुसार, इमरान नामक युवक को पुराने विवाद के चलते आरोपी अब्दुल कादिर और उसके साथियों ने देर रात जबरन उठाकर अपने घर ले गए। आरोप है कि वहां उसे कमरे में बंद कर गंभीर रूप से पीटा गया। इमरान के परिचितों को जैसे ही घटना की जानकारी मिली तो वे बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों के साथ मौके पर पहुंच गए।

आरोपी की कार स्थानीय लोगों ने तोड़ी: आरोपी के घर के बाहर भीड़ बढ़ती गई और लोगों में गुस्सा फूट पड़ा। उग्र भीड़ ने पहले आरोपी की कार में तोड़फोड़ कर दी। इसके बाद माहौल और बिगड़ गया तथा भीड़ ने घर पर पत्थरबाजी शुरू कर दी, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई।

क्या है पूरा विवाद: जानकारी के अनुसार पन्ना रोड स्थित के के बाजार दुकान के मालिक कादिर खान का एक 14 साल का बेटा नजीराबाद के मदरसे में खेलने आने वाले बच्चों के साथ आए दिन मारपीट करता था। इस बात की जानकारी जब कांग्रेस नेता महसूद अहमद शेरू के भाई इमरान को हुई तो वह अपने दोस्तों के साथ रात लगभग 9 बजे कादिर के बेटे को समझाने पहुंचा। इसी दौरान कादिर और उसके साथियों ने इमरान को घर के अंदर बंधक बना कर उसकी पिटाई कर दी। यह बात इमरान के दोस्तो ने नजीराबाद के अन्य लोगों को बताई। इसके बाद इमरान के दोस्त स्थानीय लोगों के साथ कादिर के घर के बाहर पहुंचे। भीड़ ने कादिर की कार में तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस बीच सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली टीआई रावेंद्र द्विवेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले को शांत करा कर इमरान को अस्पताल पहुंचा दिए। टीआई ने बताया कि पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

झाबुआ के रानापुर में युवक तालाब में डूबा

नहाते समय हुआ हादसा, होमगार्ड के गोताखोर तलाश रहे शव

झाबुआ,एजेंसी। झाबुआ जिले के रानापुर में रविवार शाम करीब 5 बजे एक युवक तालाब में डूब गया। 26 वर्षीय गणेश पिता विश्राम गहलोत तालाब में नहा रहा था, तभी पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने युवक को खोजने का प्रयास किया, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। सोमवार को घटना की सूचना मिलने पर होमगार्ड की गोताखोर टीम को मौके पर बुलाया गया। गोताखोर टीम ने सोमवार सुबह से ही गणेश गहलोत के शव को निकालने के लिए सघन अभियान शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार, टीम पिछले करीब दो घंटे से लगातार तलाश कर रही है। हालांकि, अभी तक शव बरामद नहीं हो सका है। राजस्व विभाग की टीम के साथ पुलिस बल भी घटनास्थल पर मौजूद है।

सीहोर में न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री, लगातार 17 दिन से 10 डिग्री से नीचे

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले में पिछले दो सप्ताह से लगातार ठंड का असर बना हुआ है। सोमवार को न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम और अधिकतम तापमान में बड़ा अंतर होने से सुबह-शाम ठिठुरन और बढ़ गई है।

आने वाले दिनों में और बढ़ेगी ठंड: मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि अगले कुछ दिनों में आसमान पूरी तरह साफ रहेगा और ठंड का प्रभाव और तेज होगा। शासकीय कृषि महाविद्यालय के मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. तोमर ने बताया कि बादल लगातार छंट रहे हैं, जिससे रात का तापमान और नीचे जा सकता है।

17 दिनों से न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे: सीहोर में पिछले 17 दिनों से रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज हो रहा है। इससे पहले जिले में कभी बारिश, कभी गर्मी जैसा बदलता मौसम देखने को मिल रहा था। लेकिन अब ठंड का मौसम पूरी तरह सक्रिय हो चुका है और लोग सुबह-शाम ठंड से बचने के लिए गरम कपड़ों का सहारा ले रहे हैं।

बीते दिनों में ऐसा रहा तापमान: पिछले कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान लगातार नीचे जा रहा है। 10 नवंबर को 8.5एष्ट, 11 को 8.3एष्ट, 12 को 8.2एष्ट, 15 को 7.5एष्ट, 16 को 5.8एष्ट और 17 नवंबर को तापमान गिरकर सीजन के सबसे कम 5.0एष्ट पर पहुंच गया था। इसके बाद भी तापमान 6 से 8 डिग्री के बीच बना हुआ है। मौसम विभाग का कहना है कि ठंड और तेज हो सकती है।

नागपुर पुलिस ने सतना से नशीली सिरप तस्कर को पकड़ा

दोस्त की साली के घर ठहरा था आरोपी

सतना, एजेंसी। नागपुर पुलिस ने रविवार को सतना शहर के नजीराबाद इलाके में एक मकान पर दबिश देकर नशीली कफ सिरप तस्करी के मामले में एक फरार आरोपी को पकड़ा है। पुलिस ने मौके से एक कार भी जब्त की। फिलहाल आरोपी आमिर शेख को नागपुर ले जाकर आगे की पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, नागपुर के लकड़गंज थाना क्षेत्र में नशीली कफ सिरप की बड़ी खेप पकड़े जाने के बाद आमिर शेख फरार हो गया था। जांच में पता चला कि वह कुछ दिनों से सतना में छिपा हुआ था।

नजीराबाद में दोस्त की साली के घर ठहरा हुआ था: फरारी के दौरान आमिर सतना शहर के नजीराबाद क्षेत्र में अपने दोस्त की साली के घर रह रहा था। इसी दौरान पुलिस को उसकी मौजूदगी की सूचना मिली। दबिश के दौरान आरोपी की कार की तलाशी ली गई। पुलिस को कार से खाली बोरियां मिलीं, जिनका उपयोग नशीली दवाओं की ढुलाई में किया जाता था। हालांकि, मौके से कोई नशीली दवा नहीं मिली।

पूछताछ के लिए नागपुर ले जाया गया: नागपुर पुलिस आरोपी को सतना से हिरासत में लेकर नागपुर रवाना हो गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आमिर नशे की सप्लाई चेन से जुड़ा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था।

खंडवा में कर्ज से परेशान किसान ने फांसी लगाई

दो मासूम बेटे थे, सोयाबीन फसल खराब हुई थी; जिले में चौथे किसान का सुसाइड

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में एक किसान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली हैं। खरीफ सीजन की सोयाबीन फसल खराब होने और बढ़ते कर्ज के चलते किसान ने यह कदम उठाया हैं। इस मामले में पुलिस ने खेत से किसान का शव बरामद किया और जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया। मर्ग कायम कर कोतवाली पुलिस जांच में जुट गई हैं। घटना रामनगर पुलिस चौकी क्षेत्र के हापला-दीपला गांव की हैं। मृतक की पहचान अखिलेश पिता जगदीश सोलंकी (38) के रूप में हुई हैं। किसान अखिलेश के बारे में जानकारी बताते हुए सरपंच अर्जुनसिंह सोलंकी ने कहा कि, किसान रात में खेत पर सिंचाई के लिए गया हुआ था, उसने गेहूं की फसल बो रखी थी। रात 2.30 बजे घर से निकला था, जो कि सुबह 7 बजे घर न आने पर परिवार वालों ने फोन किया तो मोबाइल बंद आया। परिवार की चिंता तब और बढ़ गई जब किसान 8 बजे तक घर नहीं आया। फिर परिवार के लोग खेत पर गए, जहां देखा कि वह पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका था। गांव वालों ने पुलिस को सूचना दी। रामनगर चौकी की पुलिस मौके पहुंची, तब शव को फंदे से उतारा गया। किसान की आत्महत्या के पीछे कर्ज का मामला हैं। उस पर बैंकों का 3 लाख रुपए का कृषि ऋण हैं। वहीं कुछ साहूकारों से अलग कर्ज ले रखा था। परिवार में अखिलेश और उसका एक और भाई हैं। जो खंडवा में रहकर टाइल्स की दुकान पर मजदूरी का काम करता हैं। खेती की जिम्मेदारी अखिलेश के माथे थी।

नवविवाहिता ने मायके में फांसी लगाकर की आत्महत्या

रायसेन के जैतपुर में 20 वर्षीय महिला का शव मिला

रायसेन, एजेंसी। रायसेन जिले के सिलवानी थाना क्षेत्र के जैतपुर गांव में एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना रविवार की है, जब 20 वर्षीय ऋषिका आदिवासी पत्नी राजकुमार आदिवासी का शव उसके मायके में रस्सी से लटका मिला। सूचना मिलने पर सिलवानी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना के समय मृतका अपने मायके में रह रही थी। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों और गांव के लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के पीछे की वजह स्पष्ट हो सके। सिलवानी थाना के एसआई अभिषेक खरे ने बताया कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पिकअप पलटी, दो की मौत; एक घायल

दमोह की सीमा से सटे पन्ना जिले में मौहन्द्रा पुलिस चौकी के पास हादसा

दमोह, एजेंसी। दमोह जिले की सीमा से सटे पन्ना जिले के सिमरिया थाना अंतर्गत मौहन्द्रा पुलिस चौकी के पास एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, यह घटना रविवार देर रात रैपुरा से घर लौटते समय हुई। पिकअप वाहन मौहन्द्रा के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के अगले दिन सोमवार को जिला अस्पताल में शवों का पंचनामा कर पीएम कराया गया और पुलिस ने कार्रवाई शुरू की।

मृतकों में बुढवार निवासी गोकुल पिता भैजालाल पटेल (45) शामिल हैं, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बुधवार निवासी हरिदास पिता हल्कू पटेल (70) ने दमोह जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घायल बृजलाल पटेल (42) का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। दमोह जिला अस्पताल पुलिस चौकी ने शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया। सिमरिया थाना पुलिस पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच कर रही है। हादसा कैसे हुआ और घायल कहां जा रहे थे इसकी जानकारी अभी स्पष्ट नहीं है। क्योंकि जो घायल व्यक्ति है वह बोलने की हालत में नहीं।

लॉज के सामने ठेला लगाने को लेकर दो पक्ष भिड़े, झड़प में पत्थरबाजी

तलवारें निकलीं; झाबुआ में लॉज मैनेजर समेत 4 गिरतार

झाबुआ, एजेंसी। झाबुआ की सिद्धेश्वर कॉलोनी में रविवार देर शाम दो गुटों के बीच जमकर विवाद हो गया। यह विवाद हाथापाई से शुरू होकर पत्थरबाजी और तलवारें निकलने तक पहुंच गया। घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को शांत कराया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिपाल सिंह महोबिया ने बताया कि इस मामले में चार आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

लॉज के सामने ठेला हटाने को लेकर हुआ विवाद: जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरुआत रविवार सुबह हुई थी। सिद्धेश्वर कॉलोनी स्थित एक लॉज के पास मनिहारी वस्तुएं बेचने वाला एक ठेला लगाता था। लॉज के मैनेजर ने उसे वहां से हटाने के लिए उसका सामान फेंक दिया, जिसके बाद दोनों में कहासुनी हो गई। तब पुलिस ने मामूली धाराओं में मामला दर्ज कर स्थिति को नियंत्रित कर लिया था।

हालांकि, शाम को जब ठेला संचालक प्रवीण उसी रास्ते से गुजर रहा था, तो लॉज मैनेजर और उसके साथियों ने उसे मारने के लिए दौड़ाया। जान बचाने के लिए प्रवीण एक घर में घुस गया। इस दौरान पत्थरबाजी भी हुई।

बाद में जब आरोपियों को पता चला कि प्रवीण उनके घर के पीछे चला गया है, तो वे उसके घर पहुंचे और प्रवीण, उसके भाई और अन्य परिजनों के साथ मारपीट की। पुलिस ने देर शाम लॉज मैनेजर मनीष, गोलू, अजित और रवि के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

शतक बनाना मेरे लिए खास पल था: सेनुरन मुथुसामी

गुवाहाटी, एजेंसी। भारत के साथ गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन के खेल की समाप्ति के बाद दक्षिण अफ्रीका मजबूत स्थिति में पहुंच गई है। दक्षिण अफ्रीका को मजबूत स्थिति में ले जाने का सबसे बड़ा श्रेय सेनुरन मुथुसामी को जाता है। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए सेनुरन ने अपना पहला टेस्ट शतक लगाते हुए एक समय 246 पर 6 विकेट खो चुकी दक्षिण अफ्रीका को 489 तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद मुथुसामी ने अपने शतक को अपने लिए बेहद खास पल बताया। मुथुसामी ने कहा, 'इतनी भीड़ में शतक बनाना मेरे लिए सच में एक खास पल था। मुझे खुशी है कि मैं टीम में अपना योगदान दे सका और पहली पारी में कुछ रन बना सका, जो हमेशा जरूरी होता है। वेरेन और मार्को ने भी विशेष पारी खेली। जानसेन के लंबे छक्के अविश्वसनीय थे। उसकी स्ट्राइकिंग शानदार थी। '

दक्षिण अफ्रीका ने 246 रन पर अपना 6 विकेट गंवा दिया था। इसके बाद मुथुसामी ने काइल वेरेन (45 रन) के साथ सातवें विकेट के लिए 88 और मार्को जानसेन के साथ आठवें विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी की। मुथुसामी ने 206 गेंद पर 2 छक्के और 10 चौके लगाते हुए 109 रन की पारी खेली। मार्को जानसेन शतक लगाने का मौका चूक गए। वह 93 के स्कोर पर कुलदीप यादव की गेंद पर बोल्ड हो गए।

मुथुसामी और जानसेन की पारियों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 489 रन बनाए। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारतीय टीम ने बिना विकेट के नुकसान के 9 रन बना लिए थे। यशस्वी जायसवाल 7 और केएल राहुल 2 रन बनाकर खेल रहे थे। 31 साल के सेनुरन मुथुसामी दक्षिण अफ्रीका के लिए बेहतरीन ऑलराउंडर बनकर उभरे हैं। मुथुसामी ने अब तक 8 टेस्ट मैचों की 11 पारियों में 1 शतक और 2 अर्धशतक की मदद से 811 रन बनाए हैं और 22 विकेट लिए हैं।

पाकिस्तान बना एशिया कप राइजिंग स्टार्स चैंपियन, सुपर ओवर में बांग्लादेश को हराया

नेशनल डेस्क: एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 का रोमांचक फाइनल मुकाबला रविवार (23 नवंबर) को दोहा के वेस्ट एंड पार्क इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। इस हाई-वोल्टेज मैच में पाकिस्तान ए टीम ने बांग्लादेश ए को सुपर ओवर में हराकर तीसरी बार खिताब अपने नाम किया। मुकाबले का नतीजा आखिरी गेंदों तक रोमांच से भरा रहा।

सुपर ओवर में बांग्लादेश ने 7 रनों का टारगेट सेट किया था, जिसे पाक बल्लेबाजों ने 4 गेंदों में ही हासिल कर लिया। दोनों टीमों की पारी 125 रनों पर समाप्त हुई थी, जिसके बाद सुपर ओवर में पाकिस्तान ने रोमांचक जीत दर्ज करके एशिया कप राइजिंग स्टार्स का खिताब जीता।

सुपर ओवर में बांग्लादेश सिर्फ 6 रन बना सका। 3 गेंदों के अंदर ही बांग्लादेश ने अपने दोनों विकेट गंवा दिए थे। वहीं पाकिस्तानी बल्लेबाजों ने पहली 2 गेंदों पर सिंगल रन लिया, फिर तीसरी गेंद पर चौका आया और चौथी गेंद पर एक रन भागकर पाक टीम ने अपनी जीत सुनिश्चित की।

पिता के बाद स्मृति मंधाना के होने वाले पति की तबीयत बिगड़ी, ले जाया गया अस्पताल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना और संगीतकार पलाश मुच्छल की बहुप्रतीक्षित शादी अचानक टल गई है। शादी के दिन ही स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना की तबीयत बिगड़ने के बाद शादी समारोह रोक दिया गया। जानकारी के अनुसार, उनके पिता में हार्ट अटैक जैसे लक्षण दिखाई दिए, जिसके चलते उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद स्मृति ने पिता की अनुपस्थिति में कोई भी शादी की रस्म जारी रखने से मना कर दिया। इसी बीच पलाश मुच्छल की तबीयत भी खराब हो गई, जिससे स्थिति और जटिल हो गई।

शादी के दिन अचानक बिगड़ी स्मृति के पिता की हालत : शादी समारोह के बीच अचानक स्थिति तब गंभीर हो गई, जब स्मृति मंधाना के पिता श्रीनिवास मंधाना की तबीयत बिगड़ गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्हें हार्ट अटैक जैसे लक्षण महसूस हुए जिसके तुरंत एंबुलेंस शादी स्थल पर भेजी गई। परिजनों ने उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया और स्मृति मंधाना के मैनेजर ने पुष्टि की कि इस स्थिति ने पूरे आयोजन को रोकने के लिए मजबूर कर दिया।

पिता की अनुपस्थिति में शादी से इंकार: स्मृति मंधाना ने पिता की गंभीर स्थिति को देखते हुए साफ कहा कि बिना उनके उपस्थित हुए कोई भी शादी की रस्म पूरी नहीं की जाएगी। यह निर्णय परिवार की प्राथमिकता और भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है। शादी से जुड़े कई मेहमान और करीबी रिश्तेदार मौके पर मौजूद थे, लेकिन अचानक आई इस मेडिकल इमरजेंसी ने पूरे आयोजन को स्थगित करने पर मजबूर कर दिया।

पलाश मुच्छल की तबीयत भी बिगड़ी: स्थिति और कठिन तब हो गई जब दूल्हे पलाश मुच्छल को भी स्वास्थ्य संबंधी तकलीफ का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें वायरल इंफेक्शन और सीवियर एसिडिटी की समस्या हुई, उन्हें भी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि उनकी हालत चिंताजनक नहीं बताई गई। इलाज के बाद पलाश की अवस्था में सुधार हुआ और उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर होटल भेज दिया गया।

स्मृति के पिता की सेहत में सुधार की उम्मीद

स्मृति मंधाना के परिवार से जुड़े डॉक्टर नमन शाह ने कहा कि श्रीनिवास मंधाना की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। यदि स्वास्थ्य में निरंतर सुधार दिखता है, तो उन्हें आज ही छुट्टी मिल सकती है। यह अपडेट परिवार और प्रशंसकों के लिए राहत भरी खबर है।

शादी कब होगी–फैसला बाद में

फिलहाल, शादी को कब तक स्थगित किया गया है, इसकी आधिकारिक जानकारी जारी नहीं हुई है। दोनों परिवार चाहते हैं कि पहले स्मृति के पिता पूरी तरह ठीक हों, पलाश भी पूरी तरह स्वस्थ हो जाएं उसके बाद नई तारीख तय की जाएगी।

गोवा में खेली जाएगी लीजेंड्स प्रो टी20 लीग, हरभजन-धवन समेत ये दिग्गज खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। लीजेंड्स प्रो टी20 लीग के पहले संस्करण का आयोजन अगले साल 26 जनवरी से 4 फरवरी के बीच गोवा में होगा। इसमें 6 फ्रेंचाइजी के 90 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिनमें हरभजन सिंह, शिखर धवन, शेन वॉटसन और डेल स्टेन जैसे दिग्गजों का नाम शामिल है। यह पूरा टूर्नामेंट वेर्ना में नवनिर्मित 1919 स्पोर्ट्स क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क को लीग कमिश्नर नियुक्त किया गया है। अपनी नई भूमिका को लेकर माइकल क्लार्क ने बताया कि वह एक ऐसी लीग का हिस्सा बनकर रोमांचित हैं, जो इतने सारे शीर्ष खिलाड़ियों को एक साथ लाती है।

माइकल क्लार्क ने कहा, 'भारत, क्रिकेट के सबसे बड़े घरों में से एक होने के नाते, मेरे लिए विशेष स्थान रखता है। फैंस का जुनून और पुराने दोस्तों और कड़े प्रतिद्वंद्वियों के साथ फिर से जुड़ने का मौका इसे वास्तव में खास बनाता है। मैं इस नई भूमिका में लीजेंड्स प्रो टी20 लीग का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं। इतने सारे शीर्ष खिलाड़ियों को लीग में एकसाथ देखना रोमांचक है। गोवा एक शानदार वेन्यू है। मैं फैंस को उच्च गुणवत्ता वाले क्रिकेट, कड़े मुकाबलों और मैदान पर यादगार पलों का आनंद लेते देखने के लिए उत्साहित हूं।'

गुवाहाटी टेस्ट: मार्को जानसेन ने लगाया 'छक्का', साउथ अफ्रीका के पास 314 रन की लीड

गुवाहाटी, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में जारी दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन तक 314 रन की बढ़त हासिल कर ली है। दिन की समाप्ति तक मेहमान टीम ने अपनी दूसरी पारी में बगैर कोई विकेट गंवाए 26 रन बना लिए हैं। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए। इस पारी में साउथ अफ्रीका की ओर से सेनुरन मुथुसामी ने सर्वाधिक 109 रन बनाए, जबकि मार्को जानसेन ने 93 रन की पारी खेली। इनके अलावा, ट्रिस्टन स्टब्स ने 49 रन टीम के खाते में जोड़े।

भारत की तरफ से कुलदीप यादव ने 4 विकेट हासिल किए, जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट निकाले।

इसके जवाब में भारतीय टीम अपनी पहली पारी में सिर्फ 201 रन पर सिमट गई। इस पारी में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने सर्वाधिक 58 रन बनाए, जबकि वॉशिंगटन सुंदर ने 48 रन की पारी खेली।

टीम इंडिया को केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने पहले विकेट के लिए 65 रन जोड़े, लेकिन केएल राहुल (22) के आउट होते ही टीम लड़खड़ा गई। आलम ये रहा कि भारत ने 122 रन तक अपने 7 विकेट गंवा दिए।

यहां से कुलदीप यादव ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ आठवें विकेट के लिए 72 रन जोड़े। वॉशिंगटन 48 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि कुलदीप ने 19 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की तरफ से मार्को जानसेन ने 6 विकेट निकाले। साइमन हार्मर ने 3 सफलताएं प्राप्त कीं। एक विकेट केशव महाराज के नाम रहा। साउथ अफ्रीका ने पहली पारी के आधार पर 288 रन की बढ़त बना ली थी, लेकिन मेजबान टीम को फॉलोऑन नहीं दिया।

साउथ अफ्रीका की ओर से दूसरी पारी में रयान रिकेल्टन (नाबाद 13) और एडेन मार्करम (नाबाद 12) बतौर सलामी बल्लेबाज मैदान में उतरे। दिन की समाप्ति तक दोनों बल्लेबाजों ने अटूट साझेदारी की।

पैट कमिंस को लेकर कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने दिया अपडेट

पर्थ, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले पैट कमिंस पूरी ताकत के साथ गेंदबाजी कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड को लगता है कि कमिंस का रिहैबिलिटेशन पूरा होने वाला है। हालांकि, कोच ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि ब्रिस्बेन में दूसरे एशेज टेस्ट में कमिंस के खेलने पर आखिरी फैसला कुछ समय बाद लिया जाएगा। पैट कमिंस सोमवार के बजाय मंगलवार को अपना बॉलिंग सेशन करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई सिलेक्टर जल्द ही उनकी वापसी की तैयारी पर चर्चा करने वाले हैं। अगर कमिंस ब्रिस्बेन टेस्ट में वापसी करते हैं और मैच पूरे पांच दिन चलता है, तो भी एडिलेड में तीसरा टेस्ट खेले जाने तक उन्हें एक हफ्ते से ज्यादा दिनों का आराम मिलेगा। कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, 'ऐसा लग रहा था कि पैट कमिंस अपने रिहैबिलिटेशन के पूरा होने के करीब हैं। उनकी गेंदों में गति थी। कमिंस के साथ काफी सकारात्मक चीजें हैं। इस टेस्ट मैच से पहले उनकी वापसी पर चर्चा होगी। हो सकता है कि यह हमारे लिए देरी से हो। उन्हें थोड़ा काम करना है, लेकिन वह वापसी के करीब हैं।'

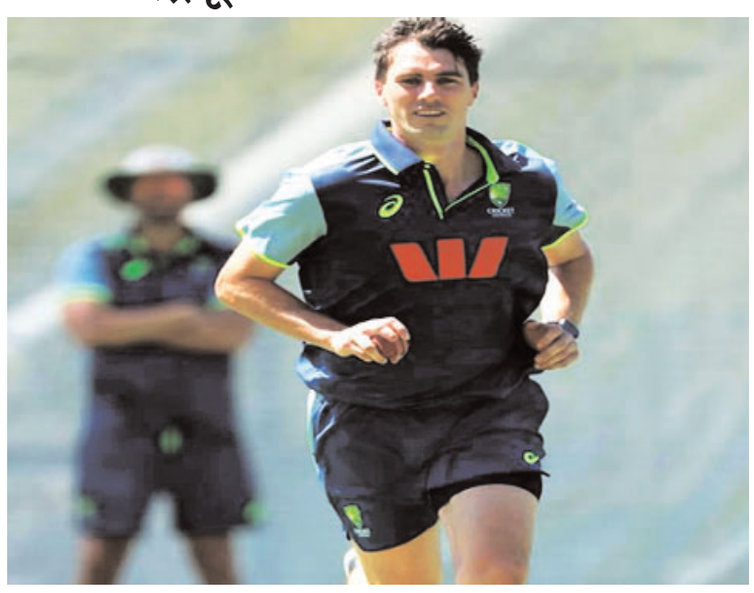

इस बीच तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं। मैकडोनाल्ड ने एशेज में उनकी वापसी के लिए कोई समयसीमा तय करने से इनकार कर दिया है। कोच मैकडोनाल्ड ने कहा, 'हेजलवुड अपने रिहैब के पहले हफ्ते में हैं। एक बार जब वह फिट हो जाएंगे, तो हम उनकी वापसी के बारे में बताने की स्थिति में होंगे। मुझे पता है कि वह सीरीज में उपलब्ध होंगे। यह तय करने के लिए कि वह सीरीज के किस मुकाबले में खेलेंगे, उन्हें थोड़ा रिहैब करना होगा, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह सीरीज में खेलेंगे। 'ऑस्ट्रेलियाई टीम पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे है। पर्थ स्टेडियम में खेले गए मुकाबले को ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट से जीता था। सीरीज का दूसरा मुकाबला 4 दिसंबर से खेला जाना है।

नम्बर 8 पर आए ईनान की शतकीय पारी, भारत ए अंडर-19 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल के करीब

बेंगलुरु : आठवें क्रम पर बल्लेबाजी के लिए आए हरफनमौला मोहम्मद ईनान की नाबाद शतकीय पारी के दम पर भारत ए अंडर-19 ने रविवार को यहां भारत बी अंडर-19 को 26 रन से हराकर तीन देशों की श्रृंखला के फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। लेग स्पिन गेंदबाजी करने वाले केरल के इस युवा खिलाड़ी ने 74 गेंदों में 12 चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 105 रनों की पारी खेली। उनकी इस पारी से भारत ए अंडर-19 ने 18 ओवर में 68 रन पर पांच विकेट गंवाने के बावजूद के सात विकेट पर 267 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया।

ईनान ने छठे विकेट के लिए खिलान पटेल (37) के साथ 34 रन की साझेदारी करने के बाद अनमोलजीत सिंह (नाबाद 30) के साथ सातवें विकेट के लिए 135 रन की अटूट साझेदारी की। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत बी अंड-19 की टीम 47.2 ओवर में 243 रन पर आउट हो गयी। आदित्य रावत (34 रन पर चार विकेट) और मोहम्मद मलिक (49 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने भारत बी की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही। भारत बी के लिए विकेटकीपर हरवंश पंगालिया ने 113 गेंद में 99 रन की पारी खेली। उन्होंने जगनाथन हेमचूडशन (45) के साथ छठे विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी की लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज अमव बग्गा ने भी 49 रन का योगदान दिया। टूर्नामेंट में लगातार तीसरी हार के साथ भारत बी की टीम फाइनल में पहुंचने की दौड़ से लगभग बाहर हो गयी है। इस त्रिकोणीय श्रृंखला में तीसरी टीम अफगानिस्तान की है। अफगानिस्तान अंडर-19 लगातार दो जीत के साथ तालिका में शीर्ष पर है।

मार्को जैनसेन ने रचा इतिहास, भारत में ये रिकॉर्ड बनाने वाले पहले दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज बने

स्पोर्ट्स डेस्क: साउथ अफ्रीका के दिग्गज ऑलराउंडर मार्को जैनसेन ने गुवाहाटी टेस्ट में ऐसा प्रदर्शन किया जिसने उन्हें इतिहास की खास पुस्तकों में दर्ज कर दिया। 25 वर्षीय जैनसेन ने एक ही मैच में 93 रन की शानदार पारी और 6/48 का कहर बरपाने वाला स्पेल डालकर भारत के खिलाफ एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया। वे भारत में किसी टेस्ट मैच में हाफ-सेंचुरी बनाने और छह विकेट लेने वाले साउथ अफ्रीका के पहले खिलाड़ी बन गए। उनके ऑलराउंड शो ने भारत को मैच में पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया और साउथ अफ्रीका को मजबूत स्थिति दिलाई।

भारतीय परिस्थितियों में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ स्पेल : भारत की पिचें पारंपरिक रूप से स्पिन गेंदबाजों की मददगार मानी जाती हैं। ऐसे में किसी भी तेज गेंदबाज के लिए बड़ा प्रभाव छोड़ना आसान नहीं होता। लेकिन जैनसेन ने इस मिथक को तोड़ते हुए घातक बाउंस, नई गेंद और पुरानी गेंद दोनों से मूवमेंट, निरंतर सही लाइन-लेंथ के साथ ऐसा दबदबा बनाया कि भारतीय बल्लेबाज संभल ही नहीं पाए। उनका यह स्पेल भारतीय धरती पर किसी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन माना जा रहा है।

2000 के बाद भारत में 'फिफ्टी + पांच विकेट' : जैनसेन के इस प्रदर्शन ने उन्हें उन चुनिंदा विदेशी खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल कर दिया जिन्होंने 2000 के बाद भारत में टेस्ट में फिफ्टी और पांच या उससे ज्यादा विकेट दोनों लिए हों। यह क्लब बेहद छोटा और खास है भारत में फिफ्टी + 5 विकेट लेने वाले विदेशी खिलाड़ी (2000 के बाद)

मार्को जैनसेन (साउथ अफ्रीका), गुवाहाटी 2025 - 93 रन, 6/48

निकी बोजे (साउथ अफ्रीका), बेंगलुरु 2000 - 85 रन, 5/83

जेसन होल्डर (वेस्ट इंडीज), हैदराबाद 2008 - 52 रन, 5 विकेट

इस सूची में जैनसेन का प्रदर्शन रन और विकेट दोनों के लिहाज से स्पष्ट रूप से सबसे ऊपर है। यही वजह है कि विशेषज्ञ इसे भारत में किसी विदेशी पेस ऑलराउंडर द्वारा सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन बता रहे हैं।

जैनसेन ने एकतरफा दबदबा बनाया : जैनसेन ने गेंदबाजी की शुरुआत पहले ही सत्र में ध्रुव जुरेल को आउट करके की। इससे भारतीय पारी की नींव वहीं से हिल गई। चाय के बाद उन्होंने अपना सबसे विनाशकारी स्पेल डाला और क्रमश, ऋषभ पंत (फुल लेंथ गेंद पर आउट), नीतीश कुमार रेड्डी (ऑफ स्टंप पर मूवमेंट से परास्त), रवींद्र जडेजा (लगातार दबाव में विकेट) और जसप्रीत बुमराह (पुछल्ले बल्लेबाज पर शिकंजा) को आउट कर भारतीय मिडिल और लोअर ऑर्डर को ढहा दिया। उनकी बोलिंग के कारण भारत की निचली आधी पारी कुछ ही ओवरों में सिमट गई और मैच का रुख पूरी तरह साउथ अफ्रीका के पक्ष में चला गया।

क्रिकेट फॉर ब्लाइंड : नेपाल को हराकर भारत ने जीता पहला महिला टी-20 वर्ल्ड कप

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने फाइनल में नेपाल को 7 विकेट से हराया। इसी के साथ भारत ने पहला महिला ङ्ग20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड जीतकर इतिहास रच दिया है। कोलंबो में खेले गए खिताबी मुकाबले में टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला करते हुए भारत ने नेपाल को 20 ओवर में 114/5 रन पर रोक दिया। नेपाल ने 2.2 ओवर में कप्तान बिनीता पुन का विकेट गंवाया। बिनीता 9 गेंदों में 5 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद मीनाक्षी चौधरी ने सुषमा तमांग के साथ दूसरे विकेट के लिए 15 रन जोड़े। मीनाक्षी चौधरी टीम के खाते में 8 रन जोड़कर पवेलियन लौटीं।

टीम ने 30 के स्कोर पर सुषमा (6) का विकेट भी गंवा दिया था। यहां से बिमला रानी ने सरिता घिमिरे के साथ चौथे विकेट के लिए 65 रन जुटाते हुए टीम को संभाला।

बिमला 26 गेंदों में इतने ही रन बनाकर आउट हुईं, जबकि सरिता ने 38 गेंदों में नाबाद 35 रन बनाए। भारत की तरफ से बी1 जमुना रानी टुडू और बी1 अनु कुमारी ने 1-1 विकेट हासिल किया।

इसके जवाब में भारत ने 12.1 ओवरों में मुकाबला अपने नाम करते हुए खिताब जीता। भारत की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। इस टीम ने 5 के स्कोर पर बी2 अनेका देवी (2) का विकेट गंवा दिया था। यहां से बी1 करुणा ने कप्तान बी3 दीपिका के साथ दूसरे विकेट के लिए 28 रन जुटाते हुए टीम को संभाला। दीपिका 6 रन बनाकर आउट हुईं।

करुणा ने बी3 फुला सरेन के साथ तीसरे विकेट के लिए 51 रन जुटाते हुए भारत को जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया। करुणा 27 गेंदों में 42 रन बनाकर आउट हुईं। यहां से फुला सरेन ने बी2 बसंती हांसदा के साथ अटूट साझेदारी करते हुए भारत को आसान जीत दिलाई।

फुला 27 गेंदों में 4 चौकों के साथ 44 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि बसंती ने 13 रन टीम के खाते में जोड़े। नेपाल की तरफ से बी3 दिल्लीसरा धमाला ने 1 विकेट निकाला।

भारत, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और यूएसए समेत छह टीमों का यह टी20 टूर्नामेंट 11 नवंबर को नई दिल्ली में शुरू हुआ था।

चित्रकूट और मैहर में पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा प्रारंभ

उत्साह और उमंग से हुआ पहली उडान का स्वागत

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अनूठी पहल पर मध्यप्रदेश में हवाई पर्यटन के क्षेत्र में एक गौरवशाली अध्याय प्रारंभ किया गया है। प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी को सुदृढ कर पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा का संचालन विधिवत शुरू हो गया है।

वाइल्ड लाइफ सेक्टर के शेडयूल के अनुसार जबलपुर-मैहर-चित्रकूट-मैहर-जबलपुर ट्रिप वन पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा की पहली उडान 24 नवम्बर सोमवार को सुबह 10.40 बजे जबलपुर से मैहर पहुंची। यहां नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद सतना गणेश सिंह, विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी, नगर पालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी, वनसमिति के सभापति हरीशकांत त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष कमलेश सुहाने, अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर रानी बाटड, पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह, एसडीएम दिव्या पटेल, सीएसपी महेन्द्र सिंह, सीएमओ सुषमा मिश्रा सहित गणमान्य नागरिकों ने पहली उडान का उत्साह और उमंग के साथ पारंपरिक स्वागत किया।

इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में प्रदेश के पर्यटन स्थलों और आध्यात्मिक धार्मिक महत्व के स्थलों को एयर कनेक्टिविटी से जोडकर पर्यटन के क्षेत्र को नई दिशा दी जा रही है। सतना जिले के चित्रकूट और मैहर जिले के धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में आर्थिक विकास और रोजगार के साधन बढेंगे।

सांसद सतना श्री गणेश सिंह ने कहा कि धार्मिक पर्यटन हमेशा उस क्षेत्र और प्रदेश के विकास के मील के पत्थर होते है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरगामी सोच से प्रदेश के सभी तीर्थ स्थलों, पर्यटन क्षेत्रों को हवाई सुविधा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा प्रारंभ की गई है। उन्होंने कहा कि मैहर और चित्रकूट के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा कि मैहर प्रसिद्ध धाम को पीएम श्री हेलीकॉप्टर सेवा मिलने से अब यह धार्मिक स्थल भी हवाई सेवा मार्ग से जुड गया है।

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के क्षेत्रीय प्रबंधक एनएस राणा ने बताया कि निर्धारित शेडयूल के अनुसार सप्ताह में दो दिन सोमवार और मंगलवार को मैहर और चित्रकूट के लिए पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा दी जायेगी। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड और फ्लाई ओला कंपनी मैहर और चित्रकूट आने वाले यात्रियों के लिए मैहर में शीघ्र दर्शन सुविधा, प्रसाद और स्थानीय ट्रांसपोर्ट सेवाओं के लिए भी पैकेज तैयार करेगी। पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा के तहत मैहर पहुंचे हेलीकॉप्टर ने स्थानीय जनों को ज्वाय राइड भी कराई। हेलीकॉप्टर ने प्रातः 11.35 बजे मैहर से सतना जिले के चित्रकूट के लिए उडान भरी। जिसमें नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, सांसद सतना श्री गणेश सिंह और मैहर से सिंगरौली जिले के बरगवां निवासी यात्री रीतेश शाह ने हेलीकॉप्टर से चित्रकूट तक का सफर तय किया।

चित्रकूट की मंदाकिनी में बहेगा केन का पानी, केन-मंदाकिनी लिंक प्रोजेक्ट को मिली नई रफ्तार; दोनों राज्यों की सहमति

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। मंदाकिनी नदी को नया जीवन देने वाले केन-मंदाकिनी लिंक प्रोजेक्ट को अब तेजी मिलने वाली है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकारों के बीच परियोजना पर सहमति बन गई है। प्रारंभिक विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है जिसे जल्द ही केंद्र सरकार को मंजूरी हेतु भेजा जाएगा।

परियोजना के तहत केन नदी से 250 स्ष्टरू पानी मंदाकिनी में डाइवर्ट किया जाएगा। दोनों राज्यों द्वारा 125-125 स्ष्टरू पानी उपलब्ध कराया जाएगा। पन्ना जिले में केन नदी पर एक छोटा बांध बनाया जाएगा, जिससे 110 किलोमीटर लंबी नहर निकलेगी और मझगाँव (सतना) होते हुए मंदाकिनी में पानी छोड़ेगी।

परियोजना से जल उपलब्धता बढ़ने के साथ-साथ ऊर्जा उत्पादन भी संभव होगा। नहर आधारित इस लिंक से 25 मेगावाट पर्यावरण-अनुकूल हाइड्रो पावर तैयार होने का अनुमान है, जिससे क्षेत्र की बिजली आवश्यकताओं को सहयोग मिलेगा। चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र में इस लिंक प्रोजेक्ट से 18,000 हेक्टेयर में नई सिंचाई क्षमता विकसित होगी। कुल 125 स्ष्टरू पानी सीधे सिंचाई के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। मंदाकिनी में साफ और स्थायी जल प्रवाह बढ़ने से नदी का जलस्तर सुधरेगा तथा पर्यटन व स्थानीय आजीविका पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। परियोजना को चित्रकूट के भविष्य बदलने वाली पहल माना जा रहा है।

मझगाँव-पहाड़ी खेड़ा-पन्ना मार्ग बना खतरनाक गड्ढों का सफर, क्षेत्रवासियों में आक्रोश; जनप्रतिनिधियों और विभाग पर लापरवाही के आरोप

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मझगवाँ से पहाड़ी खेड़ा होकर पन्ना को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग इन दिनों अपनी जर्जर हालत को लेकर चर्चाओं में है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढे यात्रियों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि वाहन चालकों को कई जगह उतरकर स्वयं मार्ग देखने की नौबत आ रही है। क्षेत्रवासियों ने इस मार्ग की तुलना 'यमलोक के अंतिम सफर' से करते हुए नाराज़गी जताई है।

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि मंचों पर चहुँमुखी विकास का दावा करने वाले जनप्रतिनिधि इस गंभीर समस्या पर मौन साधे हुए हैं। उनका कहना है कि शायद जनप्रतिनिधियों के पास 'हवाई बाईपास' हो, तभी आमजनों की यह परेशानियां उनकी नजर से दूर दिखाई देती हैं, अन्यथा इतने बड़े गड्ढों को नज़रअंदाज़ करना संभव नहीं।

उधर, क्षेत्र में चर्चा है कि लोक निर्माण विभाग ने सड़क निर्माण कर रही कंपनी पर पर्याप्त निगरानी नहीं की। लोगों का कहना है कि जैसे विभाग ने ठेकेदार को कह दिया हो— 'अब तू ही देख ले, हमारा काम खत्म।' सड़क की यह दयनीय स्थिति न केवल परिवहन को प्रभावित कर रही है बल्कि ग्रामीण अंचल के स्कूल, अस्पताल और बाजार जाने वाले लोगों के लिए भी लगातार जोखिम पैदा कर रही है। स्थानीय जनता ने सड़क के तत्काल सुधार की मांग की है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मैहर ने किया बीएलओ को सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। निर्वाचन नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 अंतर्गत मैहर जिले की विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 65 मैहर अंतर्गत 8 बीएलओ ने अपने मतदान केन्द्र के 100 प्रतिशत मतदाताओं के गणना पत्रक ऑनलाइन डिज़िटलाइज्ड करने का कार्य समय-सीमा से पहले पूर्ण किया। विधानसभा मैहर के इन सभी बीएलओ की उपलब्धि पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मैहर श्रीमती रानी बाटड एवं पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह द्वारा सभी बीएलओ का सम्मान किया गया। निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं एसडीएम दिव्या पटेल, नोडल अधिकारी एसबी सिंह, प्रवीण त्रिपाठी, सीडीपीओ वीसी तिवारी भी मौजूद रहे। 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर सम्मानित होने वाले मतदान केन्द्र क्रमांक 71 शासकीय प्राथमिक शाला लुढ़ौती की बीएलओ रजनी सूर्यवंशी, मतदान केन्द्र 83 शासकीय प्राथमिक शाला हनुमान टोला कुटाई के बीएलओ प्रदीपराज ठाकरे, मतदान केन्द्र 83 शासकीय प्राथमिक शाला करैया बिजुरिया के बीएलओ बालगोविन्द कुशवाहा, मतदान केन्द्र 31 शासकीय प्राथमिक शाला टिसकिली खुर्द के बीएलओ छोटेलाल शर्मा, मतदान केन्द्र 32 शासकीय उच्च. माध्य. विद्यालय अमदरा के बीएलओ मनोज दुबे, मतदान केन्द्र क्र. 136 शासकीय प्राथमिक शाला परसोखा की बीएलओ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुश्री केशकली सिंह, मतदान केन्द्र क्र. 19 शासकीय माध्यमिक शाला उडदानी के बीएलओ ग्राम पंचायत सचिव राजेन्द्र प्रसाद यादव तथा मतदान केन्द्र क्र. 24 शासकीय प्राथमिक शाला पाला के बीएलओ धर्मेन्द्र सिंह शामिल है।

धवारी में नगर निगम जोन कार्यालय-1 का महापौर द्वारा औचक निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। धवारी स्थित नगर निगम के जोन कार्यालय-1 में सोमवार को महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने अचानक पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में उपस्थित आम नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं। नागरिकों ने सफाई, जलापूर्ति और लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण से संबंधित मुद्दे उठाए। महापौर ने प्रत्येक बिंदु पर अधिकारियों से तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

महापौर ताम्रकार ने कहा कि नगर निगम की सभी सेवाएँ समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी तरीके से जनता तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों की उपस्थिति, फाइलों के निस्तारण की स्थिति और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की गुणवत्ता का भी बारीकी से अवलोकन किया। साथ ही, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों पर कार्रवाई तय है।

निरीक्षण के दौरान नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुविधाओं में सुधार निगम की पहली प्राथमिकता है, और इस दिशा में सतत समीक्षा जारी रहेगी। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे क्षेत्र में दैनिक समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय और उत्तरदायी रवैया अपनाएं।

नजीराबाद में कांग्रेस नेता के भाई को बंधक बनाकर पीटा

स्थानीय लोगों ने आरोपी की कार तोड़ी, युवक को पुलिस ने छुड़ाया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नजीराबाद इलाके में शनिवार देर रात एक युवक को अपहरण कर घर में बंधक बना लिया गया। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट भी की। मिली जानकारी के अनुसार, इमरान नामक युवक को पुराने विवाद के चलते आरोपी अब्दुल कादिर और उसके साथियों ने देर रात जबरन उठाकर अपने घर ले गए। आरोप है कि वहां उसे कमरे में बंद कर गंभीर रूप से पीटा गया। इमरान के परिचितों को जैसे ही घटना की जानकारी मिली तो वे बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों के साथ मौके पर पहुंच गए।

आरोपी की कार स्थानीय लोगों ने तोड़ी: आरोपी के घर के बाहर भीड़ बढ़ती गई और लोगों में गुस्सा फूट पड़ा। उग्र भीड़ ने पहले आरोपी की कार में तोड़फोड़ कर दी। इसके बाद माहौल और बिगड़ गया तथा भीड़ ने घर पर पत्थरबाजी शुरू कर दी, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई।

क्या है पूरा विवाद: जानकारी के अनुसार पन्ना रोड स्थित के के बाजार दुकान के मालिक कादिर खान का एक 14 साल का बेटा नजीराबाद के मदरसे में खेलने आने वाले बच्चों के साथ आए दिन मारपीट करता था। इस बात की जानकारी जब कांग्रेस नेता महसूद अहमद शेरू के भाई इमरान को हुई तो वह अपने दोस्तों के साथ रात लगभग 9 बजे कादिर के बेटे को समझाने पहुंचा। इसी दौरान कादिर और उसके साथियों ने इमरान को घर के अंदर बंधक बना कर उसकी पिटाई कर दी। यह बात इमरान के दोस्तो ने नजीराबाद के अन्य लोगों को बताई। इसके बाद इमरान के दोस्त स्थानीय लोगों के साथ कादिर के घर के बाहर पहुंचे। भीड़ ने कादिर की कार में तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस बीच सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली टीआई रावेंद्र द्विवेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले को शांत करा कर इमरान को अस्पताल पहुंचा दिए।

अमदरा पुलिस ने पीछा कर पकड़े 3 बाइक चोर, चलती बाइक से महिला का बैग छीनने वाले गिरफ्तार; मोबाइल-बाइक बरामद

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। अमदरा पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर चलती बाइक से महिला का बैग छीनने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. चंचल नागर और नगर पुलिस अधीक्षक महेंद्र सिंह के निर्देशन में की गई। घटना 9 नवंबर 2025 को हुई थी। रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र के झंड गांव निवासी चंदा त्रिपाठी (55) अपने पति के साथ बाइक से शाहनगर जा रही थीं। ग्राम रैगवां के पास पीछे से आई पल्सर बाइक पर सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने उनका बैग छीनने का प्रयास किया।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी कटनी की ओर भाग निकले। इस दौरान चंदा त्रिपाठी के हाथ में चोट भी आई थी। पुलिस ने अप. क्र. 320/25 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। त्वरित कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने 20 नवंबर को नवल किशोर साहू को गिरफ्तार किया। इसके बाद 22 नवंबर को दो अन्य आरोपी आज़ाद कुशवाहा और अंकित देव साकेत को भी पकड़ लिया गया।

नको किया गिरफ्तार: गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान नवल किशोर (25),

अंकित देव (21) और आज़ाद कुशवाहा (19) के रूप में हुई है। ये सभी रीवा जिले के निवासी हैं। पुलिस ने इनके पास से लूटा हुआ मोबाइल, कुछ नगदी और वारदात में इस्तेमाल की गई 220 सीसी की पल्सर बाइक बरामद की है। इस कार्रवाई में निरीक्षक केपी त्रिपाठी, उप-निरीक्षक एल.पी. बुनकर, सहायक उप-निरीक्षक सुशील अहिरवार, सहायक उप-निरीक्षक शशिकांत पयासी सहित अमदरा थाने के अन्य स्टाफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए जांच जारी है।

लायंस क्लब नेत्रदान अभियान, नेत्रदान कर अमर हुईं ललिता पुरी; दो लोगों की अंधेरी दुनिया होगी रोशन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सेवा और मानवता की मिसाल पेश करते हुए डाली बाबा पंजाबी कॉलोनी निवासी ललिता पुरी (पति स्वर्गीय हरीश पुरी) के निधन के बाद उनके परिजनों ने नेत्रदान का निर्णय लिया। भतीजे मोहित पुरी द्वारा व्यक्त की गई इच्छा पर तुरंत लायंस क्लब सतना हेल्पिंग हैंड्स के पवन मलिक ने नेत्रदान प्रक्रिया की व्यवस्था की। सद्गुरु सिटी आई क्लिनिक की विशेषज्ञ टीम ने सजगता के साथ नेत्रदान कराया। पुरी परिवार की इस सहमति से दो नेत्रहीन व्यक्तियों की दुनिया रोशन होने जा रही है। परिवार ने नेत्रदान को पीड़ित मानवता के लिए सर्वोत्तम दान बताया और इसे ललिता पुरी की स्मृति को चिरस्थायी बनाने का संकल्प माना।

लायंस क्लब ने नेत्रदाता परिवार—चरणजीत सिंह पुरी, रमेश कुमार पुरी, राजीव पुरी, राहुल पुरी, गिरीश पुरी, शमी पुरी, आशीष पुरी, चंदन पुरी और मोहित पुरी—प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही लायंस क्लब के पदाधिकारियों व सदस्यों—पवन मलिक, शैलेन्द्र त्रिपाठी, आलोक त्रिपाठी, संतोष सक्सेना, जय कुमार जैन, एड. मकसूद अहमद, धर्मेंद्र सेन, विनय त्रिपाठी, जसविंदर सिंह भाटिया 'बब्बल', के.के. द्विवेदी, आशीष केसरवानी, संजय मिश्रा, राजेंद्र श्रीवास्तव, कैलाश अहिरवार, संदीप पटेल, योगेश शर्मा, राजेश केशरवानी, अनिल गर्ग, राजदीप सिंह भाटिया और जीतेंद्र गर्ग—ने दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

एसआईआर का कार्य पूरा करने वाले 53 बीएलओ सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में सतना जिले की 5 विधानसभा क्षेत्रों के 53 बीएलओ ने निर्धारित समय से पहले ही अपने मतदान केंद्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य 100 प्रतिशत पूरा कर लिया है। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी विकास सिंह ने इन बीएलओ को प्रशस्ति पत्र, शाल और श्रीफल प्रदान करते हुए सम्मानित किया। इस मौके पर इलेक्शन सुपरवाइजर द्वारिकेन्द्र सिंह, केबी त्रिपाठी उपस्थित रहे।

इनमें विधानसभा क्षेत्र-61 चित्रकूट के मतदान केंद्र क्र-21 झाली के बीएलओ महेश्वरी प्रसाद विश्वकर्मा, 61 चौबेपुर के चुनकाईलाल शुक्ला, 85 रामनगर के मुनेश कुमार यादव, 88 बरूआ के राजकिशोर द्विवेदी, 155 अमीलिया के अनीश सिंह, 164 जैतवारा दक्षिण के सरस्वती द्विवेदी, 201 खांच के बृजेश तिवारी, 247 पडुहार के अमरनाथ साकेत, विधानसभा क्षेत्र 62 रैगांव मतदान केन्द्र क्रमांक 9 ररा के बीएलओ कमलेश कुमार कोरी, 17 द्वारीखुर्द के रामलाल वर्मा, 19 उसरहा के सुनील कुमार त्रिवेदी, 21 भाजीखेरा के ध्रुव सिंह बघेल, 29 रौड के अजय पाण्डेय, 45 बेलगहना के राकेश उरमलिया, 46 मझियारी के शशिकांत शर्मा, 55 पाकर के राजेन्द्र प्रसाद दहायत, 65 मझगवां के रामप्रकाश प्रजापति, 66 धौरहरा के विपिन कुमार साहू, 75 बरकोनिया माफी के तेजबली सोनी, 88 मौहारी के सत्येन्द्र रहंगडाले, 124 कठबरिया के अरूण कुमार पाण्डेय, 129 तूमिन के राजीव कुमार चौधरी, 132 डिलौरी के गया प्रसाद चौधरी, 188 देवरी कला मुनेश्वर प्रसाद शर्मा शामिल है।

इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र 63 सतना में मतदान केन्द्र क्रमांक 6 सोहास दक्षिण के बीएलओ नीरज पाण्डेय, 11 कुआं उत्तरी सतीश चौधरी, 36 सकरिया दक्षिणी विनय तिवारी, 126 बरदाडीह दक्षिण नेहा गौतम, 145 सतना कोतवाली के पास सुलेश विश्वकर्मा, 204 सिंधु स्कूल पश्चिमी रामकृष्ण दुबे, 241 कृपालपुर हरिजन बस्ती विनोद कुमार द्विवेदी के बीएलओ शामिल है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र 64 नागौद में मतदान केन्द्र क्रमांक 158 मानिकपुर दक्षिण के बीएलओ अखिलेश कुमार सोनी, 179 बीरपूर द. कामता प्रसाद सेन, 202 बाबूपुर उ. जुगुलकिशोर गौतम, 203 बाबूपुर द. तेजबली साकेत, 210 लगरगवां अखिल सिंह परिहार, 229 बरा रावेन्द्र सिंह, 246 पाल्हनपुर नोकेलाल मुडिया, 252 उचेहरा राकेश कुमार ताम्रकार, 267 रगौली तेजचन्द्र बिसेन तथा विधानसभा क्षेत्र 67 रामपुर बघेलान के मतदान केन्द्र क्रमांक 15 करही खुर्द की बीएलओ रश्मि तिवारी, 27 महदेवा के विजय कुमार तिवारी, 39 इटौर की सुष्मा सिंह, 55 टिकरी के रत्नराज साकेत, 57 रेहुटा के रावेन्द्र प्रताप सिंह, 97 छोटीवर्ती के समशेर प्रसाद वर्मा, 131 गांजन पू. भाग नीता त्रिपाठी, 151 रामपुर बघेलान के रामआश्रय वर्मा, 181 बढैया के विनय कुमार त्रिपाठी तथा मतदान केन्द्र क्रमांक 306 कोल्हुआ की बीएलओ गमला सिंह शामिल है।

मेडिकल कॉलेज स्टूडेंट्स का प्रदर्शन, बस सुविधा मांगी; बोले- अस्पताल 8 किमी दूर, आने-जाने में समस्याएं होती हैं

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पंडित अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट्स ने सोमवार को कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि कॉलेज का अपना शिक्षण अस्पताल न होने के कारण उन्हें प्रतिदिन लगभग 8 किलोमीटर दूर जिला अस्पताल जाना पड़ता है। वहां उन्हें न तो पर्याप्त अध्ययन सुविधाएं मिलती हैं और न ही क्लिनिकल प्रैक्टिकल के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं।

छात्रों ने बताया कि नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के दिशानिर्देशों के अनुसार, यदि किसी मेडिकल कॉलेज के पास अपना शिक्षण अस्पताल नहीं है, तो छात्रों के लिए बस या वाहन सुविधा उपलब्ध कराना अनिवार्य है। हालांकि, कॉलेज प्रशासन द्वारा अब तक कोई बस सुविधा प्रदान नहीं की गई है। इससे छात्रों का न केवल समय बर्बाद होता है, बल्कि यात्रा की असुविधा उनकी पढ़ाई पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल रही है।

नियमित कक्षाओं के लिए लेक्चर हॉल तक नहीं: छात्रों ने जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं में भी कई खामियां गिनाईं। उनका कहना है कि अस्पताल में नियमित कक्षाएं संचालित करने के लिए लेक्चर हॉल नहीं हैं। इसके अतिरिक्त, शौचालयों की संख्या बहुत कम है और उनकी स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। ऑपरेशन थिएटर और अन्य महत्वपूर्ण विभागों में संसाधनों की कमी के कारण छात्रों के प्रैक्टिकल और मरीजों के समय पर इलाज दोनों में बाधा आ रही है।

इन्हीं समस्याओं को लेकर छात्रों ने कॉलेज गेट पर तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रशासन से तत्काल बस सुविधा शुरू करने की मांग की। छात्रों ने स्पष्ट किया कि वे यहां पढ़ने आए हैं, न कि रोजाना यात्रा करने के लिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस मामले पर कॉलेज प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683 प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी संटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।